Test Series Question Paper- 27-01-2024

निर्देश: निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़ें और प्रत्येक अनुच्छेद के बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें। आपके उत्तर केवल इन प्रश्नों के गद्यांश पर आधारित होने चाहिए।

अनुच्छेद: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हाल ही में शहरी बाढ़ के प्रबंधन पर दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शहरी बाढ़ को एक अलग आपदा के रूप में माना जाना चाहिए क्योंकि शहरी बाढ़ के कारण और उनसे निपटने की रणनीतियाँ अलग-अलग हैं। यद्यपि भारत में शहरी बाढ़ दशकों से अनुभव की जा रही है, फिर भी इससे समग्र रूप से निपटने के लिए विशिष्ट प्रयासों की योजना बनाने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अतीत में, बाढ़ आपदा प्रबंधन की कोई भी रणनीति मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बड़े हिस्से को प्रभावित करने वाली नदी की बाढ़ पर केंद्रित होती थी। शहरी बाढ़ ग्रामीण बाढ़ से काफी अलग है क्योंकि शहरीकरण से जलग्रहण क्षेत्रों का विकास होता है जिससे बाढ़ की चरम सीमा 8 गुना और बाढ़ की मात्रा 6 गुना तक बढ़ जाती है। नतीजतन, तेज़ प्रवाह समय के कारण बाढ़ बहुत तेज़ी से आती है, कभी-कभी कुछ ही मिनटों में। शहरी क्षेत्र महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के साथ आर्थिक गतिविधियों का केंद्र हैं जिन्हें 24/7 संरक्षित करने की आवश्यकता है। अधिकांश शहरों में, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के नुकसान का असर न केवल स्थानीय स्तर पर होता है, बल्कि वैश्विक प्रभाव भी हो सकता है। शहरी क्षेत्र भी घनी आबादी वाले हैं और कमजोर क्षेत्रों में रहने वाले अमीर और गरीब दोनों लोग बाढ़ से पीड़ित होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कभी-कभी जीवन की हानि, संपत्ति की क्षति, परिवहन और बिजली में व्यवधान उत्पन्न होता है, जिससे जीवन थम जाता है, जिससे अनकहा दुख और कठिनाइयां पैदा होती हैं। यहां तक कि बाद की महामारियों और संक्रमण के संपर्क के द्वितीयक प्रभाव भी अक्सर उत्पन्न होते हैं जिसके कारण आजीविका की हानि, मानव पीड़ा और, चरम मामलों में, जीवन की हानि के रूप में आगे बढ़ते हैं। इसलिए, शहरी बाढ़ के प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पिछले कई वर्षों में भारत में शहरी बाढ़ आपदाओं की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

सबसे उपयुक्त विकल्प चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

प्रश्न- 1. गद्यांश का शीर्षक क्या होना चाहिए?

a) प्राकृतिक आपदा।
b) शहरी बाढ़.
c) भारत में जल निकासी प्रणाली।
d) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्रणाली।

उत्तर- (b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) गद्यांश का सही शीर्षक है। गद्यांश को बारी की से पढ़ने के बाद बाकी विकल्प उस गद्यांश के वास्तविक सार की व्याख्या नहीं करते हैं जो शीर्षक तय करता है, इसलिए यह कहना उचित होगा कि 'शहरी बाढ़' गद्यांश का सबसे उपयुक्त शीर्षक होना चाहिए क्योंकि पूरा गद्यांश केंद्र में है।

प्रश्न- 2. शहरी बाढ़ बहुत तेजी से आती है

a) जल निकासी आमतौर पर अवरुद्ध है।
b) तूफानी जल निकासी खराब है।
c) अतिक्रमण पानी के प्रवाह को बाधित करता है।
d) विकसित जलग्रहण क्षेत्र तेजी से प्रवाह समय बढ़ाता है।

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि पहले पैराग्राफ में कहा गया है कि तेज प्रवाह समय के कारण बाढ़ बहुत जल्दी आती है। **विकल्प (a)** सही नहीं है क्योंकि अवरुद्ध जल निकासी शहरी बाढ़ का प्रमुख कारण नहीं है क्योंकि यह जल प्रवाह को बाधित कर सकता है लेकिन शहरी क्षेत्रों में बाढ़ को व्यापक रूप से प्रभावित नहीं कर सकता है। **विकल्प (c)** सही विकल्प नहीं है क्योंकि अतिक्रमण पानी के प्रवाह को बाधित कर सकता है लेकिन बाढ़ की आवृत्ति को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारण नहीं है।

प्रश्न-3. शहरी बाढ़ को एक अलग आपदा के रूप में माना जाना चाहिए क्योंकि;

a) शहरी क्षेत्रों की समस्याएं अद्वितीय हैं
b) शहरी क्षेत्रों में आसानी से बाढ़ आ जाती है

c) शहरी बाढ़ के कारण अलग-अलग हैं

d) शहरी बाढ़ और जल निकासी समान है

उत्तर (c)

स्पष्टीकरण- विकल्प (c) सही है क्योंकि, अनुच्छेद की तीसरी पंक्ति में, यह उल्लेख किया गया है कि शहरी बाढ़ के कारण और उनसे निपटने की रणनीतियाँ अलग-अलग हैं, इसलिए विकल्प (सी) सबसे उपयुक्त उत्तर है। **विकल्प (a)** में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि शहरी क्षेत्रों में अद्वितीय समस्याएं हैं इसलिए यह एक गलत विकल्प है। **विकल्प (b)** भी गलत है क्योंकि यह गलत धारणा है कि शहरी क्षेत्रों में आसानी से बाढ़ आ सकती है जबकि **विकल्प (d)** गलत है क्योंकि राज्यों में शहरी बाढ़ जल निकासी के समान है इसलिए यह एक गलत कथन है।

प्रश्न-4. प्राकृतिक नालों पर अतिक्रमण से बाढ़ की स्थिति तीव्र हो जाती है क्योंकि?

a) ये पानी के प्रवाह को मोड़ देते हैं

b) ये मोड़ पैदा करते हैं और प्रवाह को तेज़ करते हैं

c) इनसे नाली की क्षमता कम हो जाती है

d) ये पानी के सुचारू प्रवाह में बाधा डालते हैं

उत्तर (c)

स्पष्टीकरण- विकल्प (c) सही है क्योंकि प्राकृतिक नालों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण से इसकी क्षमता कम हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ आती है। **विकल्प (a)** गलत है और यह बताता है कि नालों पर अतिक्रमण कैसे पानी के प्रवाह को मोड़ सकता है। **विकल्प (b)** गलत है कहा गया है कि यह प्रवाह को तेज करने के लिए एक चक्कर का कारण बनता है, यह दिए गए कथन का गलत संदर्भ भी है। **विकल्प (d)** सही उत्तर नहीं है क्योंकि यह पानी के सुचारू प्रवाह को अवरुद्ध करने वाली नालियों पर अतिक्रमण के बारे में बात करता है, इसलिए यह सही नहीं है क्योंकि अंतिम दूसरी पंक्ति इस बात पर जोर देती है कि अतिक्रमण से प्राकृतिक नालियों की क्षमता कम हो जाती है।

परिच्छेद: इसे प्रकृति का आशीर्वाद कहें या अभिशाप, हमें जीवित रहने के लिए एक वर्ष में चार मिलियन लीटर से अधिक, एक दिन में 10,000 लीटर से अधिक हवा में सांस लेना पड़ता है। इसे जीवन के लिए आवश्यक बनाकर ईश्वर ने चाहा है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं उसे स्वच्छ रखने का प्रयास करें। जो खाना साफ-सुथरा नहीं है उसे हर कोई देख सकता है और शायद उसे खाने से परहेज भी कर सकता है, लेकिन अगर कोई हवा प्रदूषित होने का अहसास भी कर ले तो भी कोई सांस नहीं रोक सकता। हम जिस हवा में सांस लेते हैं उसे कई हानिकारक और विषैले पदार्थ प्रदूषित कर सकते हैं। आमतौर पर, बाहरी वायु प्रदूषण के बारे में बहुत कुछ कहा और लिखा जाता है, जिनमें से अधिकांश वाहनों और औद्योगिक धुएं के कारण होता है। इस तथ्य को देखते हुए कि हममें से अधिकांश अपना 90% से अधिक समय घर के अंदर बिताते हैं, यह पहचानना सबसे महत्वपूर्ण है कि जिस हवा में हम घर या कार्यालयों में सांस लेते हैं वह प्रदूषित हो सकती है। यह अस्वस्थता का कारण हो सकता है। वायु प्रदूषक जो आम तौर पर बहुत कम सांद्रता में मौजूद होते हैं, बंद, हवादार स्थानों में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। घर के अंदर वायु प्रदूषण से एलर्जी हो सकती है और त्वचा, आंखों और नाक में जलन हो सकती है। लेकिन यह मान लेना तर्कसंगत है कि प्रदूषकों का खामियाजा फेफड़ों को भुगतना पड़ता है। इससे ताजा सांस संबंधी समस्याओं का विकास हो सकता है, खासकर उन लोगों में जिन्हें एलर्जी की प्रवृत्ति है, या यह अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी मौजूदा सांस की बीमारियों को और खराब कर सकता है। घर के अंदर वायु प्रदूषण के कई स्रोत हो सकते हैं। बंद स्थानों में तम्बाकू का धुआं सबसे महत्वपूर्ण वायु प्रदूषकों में से एक है।

प्रश्न-5 गद्यांश का शीर्षक क्या होना चाहिए?

(a) निष्क्रिय धूम्रपान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
(b) घर के अंदर का प्रदूषण सांस लेने के लिए स्वास्थ्यवर्धक है।
(c) पर्यावरणीय तम्बाकू धूम्रपान (ईटीएस) को कम किया जाना चाहिए।
(d) इनडोर प्रदूषण के हानिकारक प्रभाव हैं|

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि परिच्छेद में इनडोर प्रदूषण के कारणों, प्रभावों, कारणों प्रकारों और समाधानों पर व्यापक रूप से चर्चा की गई है। इसलिए, **विकल्प (d)** गद्यांश का सबसे उपयुक्त शीर्षक है **। विकल्प (a)** एक गलत संदर्भ है क्योंकि यह धूम्रपान को बढ़ावा देता है और यह अनुच्छेद विपरीत अर्थ को सामने लाता है। **विकल्प (b)** गलत है क्योंकि यह विपरीत परिणामों पर प्रकाश डालता है जो दावा करते हैं कि इनडोर प्रदूषण में सांस लेना मानव जीवन के लिए स्वस्थ है **। विकल्प (c)** गलत है क्योंकि ईटीएस को कम किया जाना चाहिए लेकिन इसमें सार्वभौमिक कथनों का केंद्रीय विचार नहीं है।

प्रश्न- 6. ईश्वर **उन मनुष्यों को चाहता है,जो**।

a) स्वच्छ हवा में सांस लेने का प्रयास करना चाहिए
b) प्रदूषकों पर ध्यान नहीं देना चाहिए
c) ETS को नजरंदाज करना चाहिए
d) निष्क्रिय धूम्रपान करने वाला होना चाहिए

उत्तर (a)

स्पष्टीकरण - **विकल्प (a)** सही है क्योंकि शुरुआती पैराग्राफ की दूसरी पंक्ति में कहा गया है कि ईश्वर की इच्छा है कि हम स्वच्छ हवा में सांस लेते रहें, इसलिए **विकल्प (c)** सबसे उपयुक्त उत्तर होना चाहिए **। विकल्प (b)** गलत है क्योंकि यह इंगित करता है कि हमें प्रदूषकों से बचने पर ध्यान नहीं देना चाहिए **। विकल्प (c)** सही नहीं है क्योंकि यह दावा करता है कि पर्यावरण तंबाकू के धुएं (ईटीएस) को हानिकारक प्रदूषक के रूप में नजरअंदाज किया जाना चाहिए। **विकल्प (d)** इस अर्थ में धूम्रपान को बढ़ावा देता है कि यह एक गलत संदर्भ भी है।

परिच्छेद: भारत में आर्थिक उदारीकरण को बड़े पैमाने पर लोगों की आर्थिक प्राथमिकताओं या दीर्घकालिक विकास उद्देश्यों के बजाय सरकार की आर्थिक समस्याओं द्वारा आकार दिया गया था। इस प्रकार, अवधारणा और डिज़ाइन में सीमाएँ थीं जिन्हें बाद में अनुभव द्वारा मान्य किया गया है। आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के बाद से बेरोज़गारी वृद्धि, लगातार

गरीबी और बढ़ती असमानता समस्याएँ बनकर उभरी हैं। इन सभी वर्षों के बाद, अर्थव्यवस्था के सामने चार शांत संकट आए; कृषि, बुनियादी ढाँचा, औद्योगीकरण और शिक्षा देश की संभावनाओं पर बाधाएँ हैं। इन समस्याओं का समाधान करना होगा और आर्थिक विकास को कायम रखना होगा तथा इसे सार्थक विकास में बदलना होगा।

प्रश्न-7. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. बड़ी संख्या में नौकरियाँ पैदा करने और अपनी विकास गति को बनाए रखने के लिए भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है।

2. आर्थिक उदारीकरण से बड़ी आर्थिक वृद्धि होगी जिससे गरीबी कम होगी और लंबे समय तक पर्याप्त रोजगार पैदा होगा।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण - **कथन 1** ग़लत है क्योंकि लेखक का कहना है कि आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के बाद से बेरोज़गारी वृद्धि, लगातार गरीबी और बढ़ती असमानता समस्याएँ बन गई हैं। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि निरंतर आर्थिक विकास सार्थक विकास में बदल गया है, न कि आर्थिक उदारीकरण से गरीबी कम होगी और लंबे समय में पर्याप्त रोजगार पैदा होगा।

परिच्छेद: पिछली दो या तीन पीढ़ियों से लगातार बढ़ती संख्या में लोग केवल श्रमिक के रूप में रह रहे हैं, मनुष्य के रूप में नहीं। आज समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अत्यधिक श्रम का बोलबाला है, जिसके परिणामस्वरूप मनुष्य का आध्यात्मिक तत्व विकसित नहीं हो पाता है। उसे अपना थोड़ा-सा अवकाश गंभीर गतिविधियों में व्यतीत करना बहुत कठिन लगता है। वह सोचना ही

नहीं चाहता, या चाहकर भी नहीं सोच पाता। वह आत्म-सुधार नहीं, बल्कि मनोरंजन चाहता है जो उसे मानसिक रूप से निष्क्रिय रहने और अपनी सामान्य गतिविधियों को भूलने में सक्षम बनाए। इसलिए हमारे युग की तथाकथित संस्कृति रंगमंच से ज्यादा सिनेमा पर, गंभीर साहित्य से ज्यादा अखबारों, पत्रिकाओं और अपराध कथाओं पर निर्भर है।

प्रश्न-8. यह परिच्छेद इसी विचार पर आधारित है

a) मनुष्य को परिश्रम नहीं करना चाहिए
b) हमारे युग की सबसे बड़ी बुराई अत्यधिक तनाव है
c) मनुष्य अच्छा नहीं सोच सकता
d) मनुष्य अपने आध्यात्मिक कल्याण की परवाह नहीं कर सकता

उत्तर-(b)

स्पष्टीकरण-विकल्प (b) सही है क्योंकि परिच्छेद आज के श्रमिकों के अत्यधिक मात्रा में श्रम में लगे होने के बारे में बात करता है, इसलिए परिच्छेद का विचार यह है कि हमारे युग की महान बुराई अतिरंजित है। **विकल्प (a)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद बताता है कि काम के बाद आराम के लिए कम समय बचता है, क्योंकि आध्यात्मिक विकास के लिए कोई समय नहीं बचा है, इसलिए यह अनुमान लगाना गलत होगा कि लेखक सुझाव दे रहा है कि पुरुषों को कड़ी मेहनत नहीं करनी चाहिए। **विकल्प (c)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद कभी भी मनुष्य की अच्छी तरह से सोचने की क्षमता की कमी के बारे में बात नहीं करता है **। विकल्प (d)** सही नहीं है क्योंकि यह यह नहीं बताता कि मनुष्य अपने आध्यात्मिक कल्याण की देखभाल करने में असमर्थ है। यह सिर्फ यह बताता है कि आध्यात्मिकता या किसी भी गंभीर चीज़ की ओर जाने के लिए लोगों को काम के बाद उचित मात्रा में खाली समय की आवश्यकता होती है।

प्रश्न-9. मनुष्य आत्म-सुधार नहीं चाहता क्योंकि वह

a) बौद्धिक रूप से सक्षम नहीं है
b) किसी के पास ऐसा करने का समय नहीं है

c) भौतिकवाद से विचलित है

d) मनोरंजन पसंद है और मानसिक रूप से निष्क्रिय है

उत्तर-(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि गद्यांश में कहा गया है कि उसे अपने छोटे से अवकाश को गंभीर गतिविधियों में खर्च करना बहुत मुश्किल लगता है और समय की अनुपलब्धता के कारण मनुष्य आत्म-सुधार की तलाश नहीं करता है। **विकल्प (a)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद मनुष्य की बौद्धिक क्षमता पर सवाल नहीं उठाता है। **विकल्प (c)** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद भौतिकवाद में मनुष्य की रुचि पर चर्चा नहीं करता है। इससे पता चलता है कि समय की कमी के परिणामस्वरूप ऐसा करने की क्षमता की कमी के कारण मनुष्य आत्म-सुधार नहीं चाहता है। **विकल्प (d)** सही नहीं है क्योंकि यह दर्शाता है कि मनुष्य आंतरिक रूप से मनोरंजन के प्रेमी के रूप में अनुत्पादक होना और मानसिक रूप से निष्क्रिय रहना पसंद करता है।

अनुच्छेद : जनसांख्यिकीय लाभांश, जो भारत में शुरू हो चुका है और अगले कुछ दशकों तक रहने की उम्मीद है, यह एक बड़ा अवसर है। जनसांख्यिकीय लाभांश कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्धि है, जिसका विपरीत अर्थ यह है कि बहुत युवा और बहुत बूढ़े लोगों का सापेक्ष अनुपात, कुछ समय के लिए, गिरावट पर होगा। आयरलैंड और चीन के अनुभव से हम जानते हैं कि यह ऊर्जा का स्रोत और आर्थिक विकास का इंजन हो सकता है। जनसांख्यिकीय लाभांश कामकाजी उम्र की आबादी को बढ़ाता है जो मुख्य बचतकर्ता है। और चूंकि बचत दर विकास का एक महत्वपूर्ण चालक है, इससे हमारी विकास दर को ऊपर उठाने में मदद मिलनी चाहिए। हालाँकि, जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ कामकाजी उम्र की आबादी की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। इसका तात्पर्य शिक्षा, कौशल अधिग्रहण और मानव पूंजी के महत्व को वापस लाना है।

प्रश्न-10. किसी देश में, जब जनसांख्यिकीय लाभांश का संचालन शुरू हो गया हो, निम्नलिखित में से क्या निश्चित रूप से घटित होगा?

1. निरक्षर लोगों की संख्या घटेगी।

2. कुछ समय के लिए बहुत बूढ़े और बहुत युवा का अनुपात कम हो जाएगा।

3. जनसंख्या वृद्धि दर शीघ्र ही स्थिर हो जायेगी।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

a) केवल 1 और 2

b) केवल 2

c) केवल 1 और 3

d) 1, 2, और 3

उत्तर- (b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि **कथन 2** इस बात पर जोर देता है कि जनसांख्यिकीय लाभांश के मामले में, बहुत बूढ़े और बहुत युवा का अनुपात कम हो जाएगा जैसा कि पंक्ति में है 'जनसांख्यिकीय लाभांश कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्धि है, जो इसके विपरीत है इसका मतलब है कि कुछ समय के लिए बहुत युवा और बहुत बूढ़े लोगों का सापेक्ष अनुपात कम हो जाएगा। **कथन 1** सही नहीं है जैसा सरकार और अन्य हितधारकों द्वारा इस पर दिए गए जोर के आधार पर निरक्षर लोगों की संख्या में कमी आएगी। **कथन 3** सही नहीं है क्योंकि अनुच्छेद जनसांख्यिकीय लाभांश और जनसंख्या वृद्धि के बीच संबंध पर चर्चा नहीं करता। चूंकि बचत दर विकास का एक महत्वपूर्ण चालक है, इससे हमारी विकास दर को ऊपर उठाने में मदद मिलेगी।

प्रश्न-11. अनुच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

1. किसी देश की आर्थिक विकास दर को तेजी से बढ़ाने के लिए जनसांख्यिकीय लाभांश एक आवश्यक शर्त है।

2. किसी देश के तीव्र आर्थिक विकास के लिए उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना एक आवश्यक शर्त है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर-(d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही उत्तर है क्योंकि न तो कथन 1 और न ही कथन 2 में अनुच्छेद का सटीक निष्कर्ष है। **कथन** 1 अनुच्छेद के अनुसार सही निष्कर्ष नहीं है, जनसांख्यिकीय लाभांश आर्थिक विकास के लिए एक महान अवसर प्रदान करता है जैसा कि पंक्ति में है 'जनसांख्यिकीय लाभांश, जो भारत में शुरू हो गया है, इस महान अवसर के अगले कुछ दशकों तक चलने की उम्मीद है। हालाँकि, यह किसी देश के लिए अपनी आर्थिक विकास दर को तेजी से बढ़ाने के लिए एक आवश्यक शर्त नहीं है। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि अनुच्छेद केवल शिक्षा के महत्व को निर्दिष्ट करता है और कहता है कि किसी देश के तीव्र आर्थिक विकास के लिए उच्च शिक्षा एक आवश्यक शर्त है। केवल उच्च शिक्षा ही आर्थिक विकास का एकमात्र कारक नहीं हो सकती; इसलिए, कथन 2 एक गलत निष्कर्ष है।

अनुच्छेद : एक आर्थिक संगठन में, मानव जाति को मशीनों की उत्पादकता से लाभ उठाने में सक्षम होने से आराम का एक बहुत अच्छा जीवन जीना चाहिए, और जिनके पास गतिविधियां और रुचियां हैं, उन्हें छोड़कर बाकी अवकाश उबाऊ होने की संभावना है। यदि एक अवकाश प्राप्त आबादी को खुश रहना है, तो उसे एक शिक्षित आबादी होना चाहिए और उसे आनंद के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान की प्रत्यक्ष उपयोगिता की दृष्टि से शिक्षित किया जाना चाहिए।

प्रश्न-12. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गद्यांश के अंतर्निहित स्वर को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

a) केवल एक शिक्षित आबादी ही आर्थिक प्रगति के लाभों का सर्वोत्तम उपयोग कर सकती है।
b) सभी आर्थिक विकास का उद्देश्य अवकाश का सृजन करना होना चाहिए।
c) किसी देश की शिक्षित आबादी में वृद्धि से वहां के लोगों की खुशी में वृद्धि होती है।
d) बड़ी अवकाशशील आबादी बनाने के लिए मशीनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उत्तर- (a)

स्पष्टीकरण- विकल्प (a) सही है और स्पष्ट रूप से गद्यांश के स्वर को रेखांकित करता है। यह एक शिक्षित आबादी के लाभों को रेखांकित करता है जो खुश है और बुद्धिमान गतिविधियों के बारे में जागरूक है। **विकल्प (b)** एक सही कथन नहीं है क्योंकि यह केवल अर्थव्यवस्था में मशीनीकरण के कारण अवकाश के समय को छूता है। **विकल्प (c)** गलत है और गलत तरीके से मानता है कि एक अवकाश प्राप्त आबादी को खुश रहना है, यह एक शिक्षित आबादी होनी चाहिए। **विकल्प (d)** गलत है, चूँकि यह अर्थव्यवस्था के मशीनीकरण के कारण अवकाशप्राप्त जनसंख्या की चर्चा करता है। एक बड़ी अवकाशप्राप्त जनसंख्या तैयार करने में मशीनों का उपयोग एक प्रमुख कारक नहीं हो सकता।

अनुच्छेद : अगर अब हम बड़े हो गए हैं तो उपहार कम रोमांच लाते हैं, शायद इसका कारण यह है कि हमारे पास पहले से ही बहुत कुछ है, या शायद यह इसलिए है क्योंकि हमने देने के आनंद की पूर्णता और इसके साथ ही प्राप्त करने के आनंद की पूर्णता खो दी है। बच्चों के डर मार्मिक होते हैं, उनके दुख तीव्र होते हैं, लेकिन वे न तो बहुत आगे देखते हैं और न ही बहुत पीछे। उनकी खुशियाँ स्पष्ट और पूर्ण हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक हर प्रस्ताव में 'लेकिन' जोड़ना नहीं सीखा है। शायद हम बहुत सतर्क, बहुत चिंतित, बहुत संशयवादी हैं। शायद हमारी कुछ चिंताएँ कम हो जाएँगी यदि हम उनके बारे में कम सोचें और हमारे रास्ते में आने वाली खुशियों में अधिक एकचित्त आनंद के साथ प्रवेश करें।

प्रश्न-13. अनुच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

a) वयस्कों के लिए उपहारों से रोमांचित महसूस करना संभव नहीं है।

b) वयस्कों को उपहारों से कम रोमांच महसूस होने के एक से अधिक कारण हो सकते हैं।

c) लेखक को नहीं पता कि वयस्क उपहारों से कम रोमांचित क्यों महसूस करते हैं।

d) वयस्कों में प्यार करने या प्यार पाने की खुशी महसूस करने की क्षमता कम होती है।

उत्तर-(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि लेखक का कहना है कि वयस्क वर्तमान से कम रोमांचित महसूस करते हैं क्योंकि वयस्क काफी आगे, बहुत पीछे, बहुत सतर्क, बहुत चिंतित और बहुत शक्की हो जाते हैं। **विकल्प (a)** गलत है क्योंकि यह अत्यधिक अतिशयोक्ति है क्योंकि इसमें कोई दावा या अनुमान नहीं है कि वयस्कों को उपहारों से बिल्कुल भी रोमांचित नहीं किया जा सकता है **। विकल्प (c)** गलत है क्योंकि लेखक ने उचित रूप से तर्क दिया है कि वयस्क उपहारों से खुश क्यों नहीं होते हैं, शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने देने की खुशी की पूर्णता और इसके साथ प्राप्त करने की खुशी की पूर्णता खो दी है। **विकल्प (d)** सही नहीं है क्योंकि लेखक वयस्क की प्यार या खुशी महसूस करने की क्षमता के बारे में बात नहीं करता है।

भारत में इंटरनेट गेमिंग बाज़ार का विनियमन-

अनुच्छेद : हममें से अधिकांश लोगों के लिए, ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग दैनिक जीवन के लिए आवश्यक हो गया है। 692 मिलियन ग्राहकों के साथ भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इंटरनेट उपयोगकर्ता आबादी वाला देश है। उपभोक्ताओं द्वारा मोबाइल ऐप्स का उपयोग करने में बिताए जाने वाले समय के मामले में यह विश्व स्तर पर सातवें स्थान पर है। प्रत्येक दिन मोबाइल ऐप्स पर बिताया जाने वाला समय औसतन 4.9 घंटे तक बढ़ गया है, जो 2019 से 32% अधिक है। उल्लेखनीय रूप से, 82% खपत मीडिया और मनोरंजन के लिए समर्पित है, सोशल मीडिया इस गतिविधि का लगभग 50% हिस्सा बनाता है। हालाँकि इस प्रवृत्ति से लोगों को बहुत फायदा हुआ है, लेकिन इसने नई चिंताओं को भी जन्म दिया है। उदाहरण के

लिए, अल-जनित मशहूर हस्तियों की डीपफेक फिल्मों ने इंटरनेट पर कब्जा कर लिया है। इन अत्यधिक विकसित सिमुलेशन के कारण वास्तविकता और आभासी वास्तविकता के बीच अंतर धुंधला हो गया है। डेटा और एल्गोरिदम के बीच जटिल इंटरैक्शन ने ऑनलाइन सेवाओं में बाज़ार की विफलता से जुड़ी नई विशेषताओं और जटिलताओं को जन्म दिया है। इन मुद्दों के जवाब में, सरकार डिजिटल नियमों के लिए नए प्रस्ताव पेश कर रही है। इस संदर्भ में ऑनलाइन गेमिंग एक महत्वपूर्ण उद्योग है, जहां उचित विनियमन की कमी के बावजूद बाजार की विफलता स्पष्ट हो रही है।

प्रश्न-14. उपरोक्त अनुच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. ऑनलाइन गेमिंग की समस्या बाज़ार की विफलता से भी अधिक गंभीर समस्या का संकेत है।

2. विनियमन की कमी का मुख्य कारण अवैध जुआ है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर-(a)

स्पष्टीकरण- कथन 1 मान्य है क्योंकि अनुच्छेद में कहा गया है कि डेटा और एल्गोरिदम के बीच जटिल इंटरैक्शन ने ऑनलाइन सेवाओं में बाजार की विफलता से जुड़े नए लक्षणों और जटिलताओं को जन्म दिया है। इसलिए, बाज़ार की विफलता के कारण ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करना जटिल हो जाता है। **कथन 2 सही नहीं** है और चला जाता है क्योंकि अनुच्छेद में इसका उल्लेख नहीं किया गया है कि अवैध जुआ इसे विनियमित करने में मुख्य विफलताओं में से एक है।

मीडिया का विनियमन

गद्यांश: मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) को राज्य सरकारों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन के दौरान मीडिया के निर्बाध संचालन की गारंटी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया था। . इस महत्वपूर्ण समय में प्रिंटिंग प्रेसों के निर्बाध संचालन, मीडियाकर्मियों के कामकाज की सुविधा और समाचार पत्रों और पत्रिकाओं की निरंतरता को सुनिश्चित करना है। इसका वितरण और बेहतर बुनियादी ढांचा अच्छी तरह से काम करने की दिशा में एक कदम है। उद्घाटन के दौरान लोगों को जोड़ने और नवीनतम जानकारी प्रसारित करने के लिए समाचार पत्र और पत्रिकाएँ आवश्यक हैं।

प्रश्न-15. उपरोक्त अनुच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1- सरकार द्वारा मीडिया घरानों को सख्त निर्देश दिया गया है कि अगर मुस्लिम मददगारों द्वारा राम मंदिर उद्घाटन पर कोई गलत सूचना प्रसारित की जाती है तो आवश्यक कार्रवाई करें।

2- उद्घाटन के दिन मीडिया और प्रिंटिंग प्रेस के सुचारू कामकाज की गारंटी देने वाले आवश्यक कदम उठाने के लिए सतर्क रहना आवश्यक है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (b)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गलत है और गद्यांश के संदर्भ से बाहर है। **कथन 2** सही है क्योंकि इसमें राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान मीडिया और प्रिंटिंग प्रेस के सुचारू कामकाज की गारंटी देने वाले आवश्यक कदम उठाने की बात कही गई है।

स्वास्थ्य और अच्छाई

अनुच्छेद : स्वास्थ्य और कल्याण स्तंभ के तहत हर जगह लोगों के लिए लंबे और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के प्रभाव की जांच की गई। यह समझने पर जोर दिया गया कि बीमारी जीवन प्रत्याशा और जीवन की गुणवत्ता को कैसे प्रभावित करती है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों और बौद्धिक संपदा (आईपी), अनुसंधान और विकास (आरएंडडी), और स्वास्थ्य वित्त पोषण के क्षेत्रों में सहयोग के प्रति बढ़ते समर्पण पर भी जोर दिया गया। शोध के अनुसार, 2020 से पहले, अधिकांश स्वास्थ्य सहयोग संकेतकों का धीरे-धीरे और लगातार विस्तार हुआ। इन संकेतकों में स्वास्थ्य वस्तुओं में वाणिज्य, स्वास्थ्य विकास के लिए सहायता, और स्वास्थ्य से संबंधित अनुसंधान एवं विकास और बौद्धिक संपदा का प्रवाह शामिल था। जीवन प्रत्याशा, विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष, और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर सभी में 2012 से 2019 तक स्वास्थ्य में सुधार देखा गया, आंशिक रूप से स्वास्थ्य देखभाल विकास के लिए बढ़ी हुई फंडिंग और रोकथाम योग्य और नियंत्रण योग्य बीमारियों को संबोधित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पहल के परिणामस्वरूप।

प्रश्न-16. निम्नलिखित में से कौन सा/से सही निष्कर्ष है/हैं जो अनुच्छेद से निकाला जा सकता है?

1- स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार के लिए, जैसे; बाल मृत्यु दर और जीवन प्रत्याशा, हमें सहयोगात्मक रूप से मिलकर काम करना चाहिए।

2- दुनिया भर में स्वस्थ जीवन को बेहतर बनाना काफी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि एक साथ मिलकर काम करना संभव नहीं है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (a)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि यह स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार का अनुमान लगाता है, जैसे; बाल मृत्यु दर और जीवन प्रत्याशा, सहयोगात्मक रूप से काम करना आवश्यक है। अतः यह विकल्प सही है। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि यह यह कहकर तथ्य से इनकार करता है कि स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों में सुधार के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करना असंभव है। अत: यह कथन ग़लत है।

ज्वालामुखी विस्फोट/मैग्मा

अनुच्छेद : मैग्मा घुले हुए कार्बन डाइऑक्साइड, पानी, सल्फर डाइऑक्साइड और रयोलिटिक और एंडेसिटिक घटकों से बना है। अतिरिक्त पानी बुलबुले बनाकर मैग्मा के साथ टूट जाता है। जैसे-जैसे मैग्मा सतह के करीब आता जाता है, चैनल में पानी का स्तर गिरता जाता है और गैस और मैग्मा ऊपर उठता जाता है। जब उत्पन्न बुलबुले की मात्रा लगभग 75% तक पहुँच जाती है तो मैग्मा पाइरोक्लास्ट में टूट जाता है। चूँकि मैग्मा आसपास की चट्टान की तुलना में हल्का होता है, यह सतह की ओर ऊपर की ओर तैरता है और मेंटल विदर और कमजोरी के अन्य क्षेत्रों की तलाश करता है। जब यह ज्वालामुखी की सतह पर पहुंचता है, तो अंततः चरम बिंदु से फट जाता है। मैग्मा पिघली हुई चट्टान के लिए शब्द है जो सतह पर उठती है और राख के रूप में फूटती है।

प्रश्न-17. उपरोक्त अनुच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1- पृथ्वी के अंदर, कुछ चट्टानें धीरे-धीरे पिघलती हैं और मोटे बहने वाले पदार्थ में बदल जाती हैं जिसे मैग्मा कहा जाता है।

2- मैग्मा आसपास की चट्टान की तुलना में हल्का होता है, यह सतह की ओर तैरता है और मेंटल में दरारें और कमजोरी तलाशता है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (c)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि यह मानना सत्य है कि पृथ्वी के अंदर चट्टानें धीरे-धीरे पिघलकर तैरते हुए मैग्मा में परिवर्तित हो जाती हैं। **कथन 2** फिर से सही है क्योंकि यह उचित रूप से मानता है कि मैग्मा चट्टान की तुलना में हल्का है, जो सतह की ओर तैरता है और मेंटल में दरारें और कमजोरी तलाशता है।

अनुच्छेद : अत्यधिक दर्दनाक स्थितियाँ, जैसे पारस्परिक हिंसा, संघर्ष, मृत दुर्घटनाएँ, या प्राकृतिक आपदाएँ, अभिघातजन्य तनाव विकार का कारण बन सकती हैं। पोस्ट-ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) के कुछ लक्षणों में सोने में कठिनाई, खराब एकाग्रता, भावनात्मक वापसी, हाइपरविजिलेंस (खतरे की संवेदनशीलता की एक बढ़ी हुई स्थिति या खतरे की संभावना के प्रति जुनून), अधीरता, और परेशान करने वाली और दखल देने वाली यादें और बुरे सपने शामिल हैं। अनुभव का. पीटीएसडी पीड़ित आमतौर पर उन स्थितियों, लोगों या वस्तुओं से दूर रहते हैं जो आघात की यादें ताजा कर सकते हैं। सह-घटित स्थितियाँ पीटीएसडी की गंभीरता को बढ़ाती हैं और वंचित आबादी को असंगत रूप से प्रभावित करती हैं। इन स्थितियों में मादक द्रव्यों का सेवन, मनोदशा और चिंता विकार, आवेगी या खतरनाक व्यवहार, या आत्म-नुकसान शामिल हो सकते हैं। वे आघात जोखिम, साझा कारण निर्धारकों या स्वयं पीटीएसडी के परिणामस्वरूप पीटीएसडी के साथ-साथ भी उत्पन्न हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त इससे भी जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, पीटीएसडी को उन चिकित्सीय स्थितियों से जोड़ा गया है जिन्हें चिकित्सीय सहरुग्णताएं माना जाता है, जैसे मनोभ्रंश, कार्डियोमेटाबोलिक बीमारियों और लगातार दर्द और सूजन का खतरा बढ़ जाता है। परिणामस्वरूप, पीटीएसडी अविश्वसनीय रूप से उच्च समग्र बीमारी बोझ विकलांगता और प्रारंभिक मृत्यु दर के लिए ज़िम्मेदार है।

प्रश्न- 18. निम्नलिखित में से कौन-सा/से सही निष्कर्ष है/हैं जो अनुच्छेद से निकाला जा सकता है?

1- पीटीएसडी कई जैविक प्रणालियों को प्रभावित करता है, जैसे मस्तिष्क सर्किटरी, न्यूरोकैमिस्ट्री और सेलुलर।

2-पीटीएसडी एक आनुवंशिक हार्मोन है जो दर्दनाक घटनाओं के घटित होने पर होता है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a)केवल 1

(b) केवल 2

(c)केवल 1 और 2

(d)उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर (a)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि यह अनुमान लगाता है कि पीटीएसडी कई जैविक प्रणालियों को प्रभावित करता है, जैसे मस्तिष्क सर्किटरी, न्यूरोकैमिस्ट्री और सेलुलर। यह सच है; इसलिए, यह कथन सही है। **कथन 2** गलत है क्योंकि PTSD एक आनुवंशिक हार्मोन नहीं है, यह एक मनोवैज्ञानिक विकार है जो अक्सर दर्दनाक घटनाओं के बाद होता है।

अंतरराष्ट्रीय कानून

अनुच्छेद : अंतर्राष्ट्रीय कानून और इसकी वर्तमान संरचना वर्तमान संदर्भ में आदर्श नहीं है। लेकिन इसके बिना दुनिया बदतर हो जाती अगर वे वहां नहीं होते। इज़राइल चरम आचरण का प्रदर्शन करता है और इसे बड़ी दुनिया को समझाता है, और इसके खिलाफ शिकायत सुनने के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश नहीं है। वर्तमान में, अंतर्राष्ट्रीय कानून, यहाँ तक कि अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का भी कोई सार्वभौमिक अनुपालन नहीं है। अनुपालन के बारे में एक सार्वभौमिक चिंता है और अंतर्राष्ट्रीय कानून को अंतरराष्ट्रीय संबंधों के उल्लंघन में शक्तिशाली प्रतिशोध लेने के लिए एक साधन बनने के लिए ढाला और बल दिया जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून को उन लोगों पर हर बार लागू किया जाना चाहिए जो सत्ता के नशे में चूर

हैं और अपनी मनमानी करना चाहते हैं। वर्तमान समय में हमारी दुनिया को विस्तारवादियों, साम्राज्यवादी और संकीर्ण मानसिकता वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगाने के लिए निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय कानून की आवश्यकता है। आलोचनात्मक शिक्षाविदों को पिछले सैन्य संघर्षों के साथ चल रहे मूल का पता लगाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय कानून को शाही और औपनिवेशिक चरित्र से अलग कर दिया गया है। यह एक तथ्य है कि, नगरपालिका कानून के विपरीत, अंतर्राष्ट्रीय कानून में इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए वैश्विक पुलिस बल का अभाव है । कई अंतरराष्ट्रीय अदालतों और न्यायाधिकरणों के विकास के साथ, अंतरराष्ट्रीय कानून मायने रखता है।

प्रश्न-19. उपरोक्त अनुच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1- कुछ देश अपने विस्तार और आक्रमण की अवैध इच्छा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं जिसे रोका जाना चाहिए।
2- अंतर्राष्ट्रीय कानून को रोका जाना चाहिए क्योंकि यह शाही और औपनिवेशिक विस्तार के लिए उचित नहीं है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) केवल 1 और 2
d) इनमें से कोई भी नहीं।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम

परिच्छेद: वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम और वन अधिकार अधिनियम के उल्लंघन पर, भारत सरकार ने बाघ अभयारण्यों में वन निवासियों और वन नौकरशाही के जीवन को खतरे में नहीं डालने का निर्णय लिया है, जिससे बाघ और उनके सहवासी खतरे में पड़ जाएंगे। . बाघों

पर भारी धनराशि खर्च करने के बावजूद, प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने उनके गायब होने के पीछे की पहेली को सुलझाने के लिए 2005 में पांच सदस्यीय टाइगर टास्क फोर्स की स्थापना की। उन्होंने पाया कि बंदूकें, गार्ड और बाड़ का उपयोग जैसी बाघ संरक्षण रणनीतियाँ अप्रभावी थीं, और वन/वन्यजीव नौकरशाही और बाघों की सह-मौजूदा आबादी के बीच बढ़ती दुश्मनी गलत होने का एक निश्चित तरीका था। समूह ने घोषणा की कि "जिन जंगलों में बाघ विचरण करते हैं, वे उनकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। हालाँकि, भारत के वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भलाई इन जंगलों के संरक्षण से अटूट रूप से जुड़ी हुई है। अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006, या एफआरए, चार महीने के बाद सरकार द्वारा पारित किया गया था। बाघ अभयारण्यों सहित वन भूमि पर सभी प्रथागत और पारंपरिक वन अधिकारों को एफआरए द्वारा मान्यता दी गई थी। अधिनियम के अनुसार, एफआरए द्वारा मान्यता प्राप्त वन अधिकारों को बस्ती स्तर पर ग्राम सभा द्वारा लोकतांत्रिक रूप से निर्धारित और सीमांकित किया जाना था। अपनी पारंपरिक और प्रथागत सीमाओं के भीतर जंगलों, जानवरों और जैव विविधता को बनाए रखने और सुरक्षित रखने के अधिकार को संरक्षित करना ग्राम सभाओं की जिम्मेदारी बन गई।

प्रश्न-20- उपरोक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1- सरकार द्वारा वन अधिकार अधिनियम को मान्यता दिए जाने से वन निवासियों के जीवन के साथ-साथ बाघ संरक्षित क्षेत्र के पास की मौजूदा आबादी भी खतरे में है।

2- वन अधिकार अधिनियम 2006 आदिवासी क्षेत्रों की पारंपरिक सीमाओं के भीतर वन्य जीवन और जैव विविधता को सुनिश्चित करने के लिए है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2

(d) इनमे से कोई भी नहीं।

उत्तर (b)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गलत है क्योंकि वन अधिकार अधिनियम निवासियों और आस-पास रहने वाली आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है, लेकिन दिए गए कथन में इस बात पर जोर दिया गया है कि सरकार द्वारा वन अधिकार अधिनियम वन्यजीवों के साथ-साथ आसपास की रहने वाली आबादी के लिए भी खतरा है। **कथन 2** सही है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि वन अधिकार अधिनियम आदिवासी क्षेत्रों की पारंपरिक सीमाओं के भीतर वन्यजीव और जैव विविधता को सुनिश्चित करने के लिए है। अतः यह कथन सही है।

प्रश्न-21. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष है जिसे उपरोक्त परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम मानता है कि बाघ एक लुप्तप्राय प्रजाति हैं और उनके गायब होने के कारण को हल करने का प्रयास करता है।
2- वन क्षेत्रों के निकट बाघों के साथ-साथ अन्य जानवरों की भी सुरक्षा करना जरूरी है।
3- वन्यजीवों और आसपास की आदिवासी आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन अधिकार अधिनियम लागू किया जाना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 3

(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर-(d)

स्पष्टीकरण- कथन 1 अनुच्छेद के अनुसार सही है कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम मानता है कि बाघ एक लुप्तप्राय प्रजाति हैं और उनके गायब होने के कारण को हल करने का प्रयास करता है। अतः यह कथन सही है**। कथन 2** सही है क्योंकि यह परिच्छेद बाघों के साथ-साथ वन क्षेत्रों के पास के अन्य जानवरों की रक्षा करने का अनुमान लगाता है। **कथन 3** सही है क्योंकि यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वन्यजीवों और आसपास की आदिवासी आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन अधिकार अधिनियम लागू किया जाना चाहिए। अत: यह कथन सही है।

मुस्लिम महिलाओं के अधिकार

परिच्छेद: इस्लाम में महिलाएं क्या भूमिका निभाती हैं? सच तो यह है कि सभी मुस्लिम महिलाएं, चाहे भारत में हों या विदेश में, हिजाब या घूंघट नहीं पहनतीं। हिजाब या घूंघट पर दोबारा विचार किए बिना, भारत में कई मुस्लिम महिलाओं ने शिक्षा, मीडिया, राजनीति, कला, संगीत, खेल और फिल्म सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल की है। यह कुछ हद तक भारत द्वारा महिलाओं की स्वतंत्रता को स्वीकार करने और अपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक संस्कृति का स्वागत करने के कारण संभव हुआ है। इसलिए, मुस्लिम महिलाओं को हिंदुत्व आंदोलन से मुक्ति की आवश्यकता नहीं है जो अपनी सभी अभिव्यक्तियों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की उपेक्षा करता है। यह कदम मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे आरोप की पुष्टि करता है और वोट-बैंक रणनीति का एक उदाहरण है। यह आम चुनावों से पहले हिंदुत्व एजेंडे के नेतृत्व में प्रतिक्रिया के डर से बनाया गया हो सकता है।

प्रश्न-22. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1- हिजाब पहनना मुस्लिम महिलाओं की पसंद की स्वतंत्रता पर निर्भर करता है।
2- यह एक महिला का अधिकार है कि वह क्या पहनना चाहती है, इसलिए इसे राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1, और 2

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (c)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि परिच्छेद के अनुसार, दुनिया भर में सभी मुस्लिम महिलाओं के हिजाब पहनने की संभावना नहीं है। यह उनकी पसंद पर निर्भर करता है कि वे क्या पहनना चाहते हैं। अतः यह विकल्प सही प्रतीत होता है। **कथन 2** सही है क्योंकि प्रत्येक महिला को यह अधिकार है कि वह क्या पहनना चाहती है। इसलिए, कुछ अतिवादी राजनीतिक प्रचारकों द्वारा पोशाक पहनने की व्यक्तिगत पसंद का राजनीतिकरण करने की आवश्यकता नहीं है। अत: यह कथन सही प्रतीत होता है।

हिजाब विवाद

परिच्छेद: कई पश्चिमी नेताओं ने हाल के वर्षों में घूंघट पर पूरी तरह या आंशिक रूप से प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। फ्रांसीसी सरकार को 2010 में राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी द्वारा ऐसे कानूनों का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया गया था जो पूर्ण इस्लामी घूंघट पहनने को गैरकानूनी घोषित करेंगे। ब्रिटिश प्रधान मंत्री डेविड कैमरन ने 2016 में घोषणा की थी कि वह उन संगठनों का समर्थन करेंगे जिनके पास मुसलमानों द्वारा पूरा चेहरा ढंकने के संबंध में "समझदार नियम" हैं। ब्रिटिश प्रधान मंत्री, बोरिस जॉनसन को 2019 में इस्लामोफोबिया का हवाला देते हुए बुर्के से अपना सिर ढकने वाली मुस्लिम महिलाओं के बारे में की गई टिप्पणी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके विपरीत, मुस्लिम महिलाओं ने हेडस्कार्फ़ लागू करने की ईरानी सरकार की नीति के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए हैं। आजकल विश्व चर्चा में केंद्रीय प्रश्न तैर रहा है। क्या मुस्लिम महिलाओं को अपनी इच्छानुसार पर्दा या हिजाब पहनने की अनुमति दी जानी चाहिए?

प्रश्न-23. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष है जिसे उपरोक्त परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1- हिजाब पर प्रतिबंध पूरी तरह से आतंकवाद को रोकने के बारे में है क्योंकि मुस्लिम मुख्य आतंकवादी हैं, वे अपना चेहरा ढंककर आतंकवादी गतिविधियों का आयोजन करते हैं, इसलिए हिजाब पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।
2- हिजाब प्रतिबंध का नारा समय-समय पर केवल प्रमुख राजनेताओं को राजनीतिक लाभ पहुंचाने के लिए उठाया जाता है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (b)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही नहीं है क्योंकि इसमें सभी मुसलमानों को आतंकवादी कहकर गलत उत्तर दिया गया है। यह कहना ग़लत है कि केवल मुसलमान ही आतंकवाद फैलाते हैं। अत: यह विकल्प ग़लत है। **कथन 2** सही है क्योंकि परिच्छेद को सूक्ष्मता से पढ़ने के बाद, यह स्पष्ट है कि हिजाब प्रतिबंध का मुद्दा केवल राजनीतिक चुनाव के समय कुछ प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा बहुमत के वोट बैंक का ध्रुवीकरण करने, या केंद्रीय धर्मों के प्रमुख हिस्सों को प्रभावित करने के लिए उठाया जाता है। अतः यह कथन सही प्रतीत होता है।

तनाव प्रतिक्रिया का मुकाबला करें

परिच्छेद: प्रारंभिक प्रकार के मनोवैज्ञानिक आघात को युद्ध तनाव प्रतिक्रिया या सीएसआर के रूप में जाना जाता है। यह आमतौर पर रोगी की कार्यात्मक क्षमता में तीव्र और गंभीर

गिरावट के साथ-साथ अत्यधिक चिंता और अपरिहार्य खतरों की व्यक्तिपरक अनुभूति की विशेषता है। यह तनाव से निपटने में असमर्थता का प्रत्यक्ष परिणाम है। समकालीन युद्ध में, युद्ध के परिणामस्वरूप हताहतों का प्रतिशत 10% से 22% तक रहा है। यह एक विशिष्ट प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करता है, जिसकी समझ प्राथमिक रोकथाम, समय पर निदान और उपयुक्त उपचार की सुविधा प्रदान करती है। युद्ध तनाव प्रतिक्रिया एक दीर्घकालिक बीमारी है जो युद्ध में सेवारत पुरुषों और महिलाओं में 8 से 30% मामलों में अक्षम करने वाले लक्षणों का कारण बनती है। वेब पर सीएसआर के कारण के रूप में पहचाने जाने वाले संघर्षों के कुछ पहलुओं को अंततः टाला या कम किया जा सकता है। आवश्यकता शीघ्र और कुशल उपचार हस्तक्षेप की है। उपचार की प्रभावशीलता के लिए किसी भी मानदंड का अभाव शीघ्र और त्वरित चिकित्सीय कार्रवाई है। सीएसआर सामने वाले के करीब अधिक अनुकूल प्रतिक्रिया करता है। जब संभव हो, सीएसआर रोगियों को पीछे ले जाने से बचना सबसे अच्छा है।

Q-24. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष है जो उपरोक्त परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1- यह किसी भयावह घटना या बार-बार खतरे के संपर्क में आने की प्रतिक्रिया है।
2- युद्ध क्षेत्रों में सेवा करने वाले 8 से 30% पुरुषों और महिलाओं को अंततः गंभीर तनाव प्रतिक्रिया का अनुभव होगा।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1, और 2

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (c)

अनुभव- कथन 1 सही है क्योंकि यह सत्य है कि युद्ध तनाव प्रतिक्रिया किसी भयानक घटना या बार-बार खतरे के संपर्क में आने की प्रतिक्रिया है। अतः यह विकल्प सही है। **कथन 2** सही है क्योंकि यह सत्य है कि युद्ध क्षेत्र में सेवारत लगभग 8 से 30% पुरुषों और महिलाओं ने गंभीर तनाव प्रतिक्रिया का अनुभव किया है। अतः यह कथन सही है।

पाठक प्रतिक्रिया सिद्धांत

परिच्छेद: पाठक और पाठ के बीच लेन-देन के अनुभव का मूल विचार, जिसमें पाठ पाठक के अतीत की यादों को पुनर्जीवित करता है और साथ ही विचारशील विचार चयन और व्यवस्था द्वारा उन भावनाओं को ढालता है। दूसरे शब्दों में कहें तो, हालाँकि पढ़ते समय भावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए, लेकिन जो अर्थ बनाया जा सकता है वह अभी भी पाठ की कुछ संभावित व्याख्याओं तक ही सीमित है। हर बार जब पाठक और पाठ लेन-देन के अनुभव के दौरान बातचीत करते हैं तो स्वयं बनाए गए पाठ के विपरीत। पहला है सौन्दर्यपरक वाचन जो ज्ञान के लिए कविता का स्रोत है जिसे अपवाही वाचन भी कहा जाता है, और दूसरा है अनुभव के लिए वाचन जिसे अनैस्थेटिक वाचन कहा जाता है। चूंकि पाठ विभिन्न पिछले अनुभवों को उजागर करने के लिए एक प्रेरणा के रूप में कार्य करता है, इसलिए सीमित संख्या में ही सही व्याख्याएं होती हैं जो विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाओं को भड़का सकती हैं।

प्रश्न-25. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1- पाठक-प्रतिक्रिया सिद्धांत मुख्य रूप से अर्थ बनाने या उत्पन्न करने के लिए पाठकों और पाठ के साथ उनके संबंधों पर केंद्रित है।

2-पाठक-प्रतिक्रिया सिद्धांत का अध्ययन विभिन्न प्रकार के सिद्धांतों को चिह्नित करने के लिए विभिन्न पाठकों के दृष्टिकोण से किया जाता है।

3-पाठक अपनी व्याख्या या प्रतिक्रिया पर किसी साहित्यिक पाठ की एक अलग व्याख्या रचता है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2

(d) केवल 1 और 3

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि यह पाठक प्रतिक्रिया सिद्धांत की सटीक व्याख्या को दर्शाता है। **कथन 2** गलत है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि पाठक की प्रतिक्रिया ही सिद्धांत है विभिन्न प्रकार के सिद्धांतों को चिह्नित करने के लिए विभिन्न पाठकों के दृष्टिकोण से अध्ययन किया गया। यह कहना सही नहीं है कि पाठक प्रतिक्रिया सिद्धांत पाठकों को विभिन्न प्रकार के सिद्धांत बनाने पर मजबूर करता है। **कथन 3** सही है क्योंकि इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि पाठक अपनी समझ के अनुसार अलग-अलग व्याख्या कर सकता है।

भारत में कर प्रणाली

अनुच्छेद: नई व्यक्तिगत आयकर प्रणाली की लोकप्रियता बढ़ रही है, जिसमें कम दरें और कम कागजी कार्रवाई है लेकिन कोई छूट नहीं है। हालाँकि, सरकार को सार्वजनिक नीति उद्देश्यों के अनुरूप नागरिकों को बेहतर जीवन निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कुछ उपायों को लागू करने पर विचार करना चाहिए। ये उपाय मैक्रो-बुनियादी सिद्धांतों को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं जो स्वास्थ्य बीमा और सेवानिवृत्ति बचत का समर्थन करते हैं और वित्तीय बाजारों को विकसित करते हैं। भले ही जीएसटी दरों के अधिक व्यापक युक्तिकरण की प्रतीक्षा की जा रही है, स्वास्थ्य बीमा पर 18% जीएसटी लेवी की भी फिर से जांच की जानी चाहिए, क्योंकि इसमें निम्न और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए पर्याप्त

लागत शामिल है जो एकल सदस्य की चिकित्सा आपातकाल के बाद दिवालिया होने का जोखिम उठाते हैं।

Q- 26.निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष है जो उपरोक्त परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1- सरकार जीएसटी टैक्स के माध्यम से अधिक कर राजस्व एकत्र करती है, इसलिए बेहतर अर्थव्यवस्था बनाए रखने के लिए इसे दिन-प्रतिदिन बढ़ाया जाना चाहिए।

2-कॉर्पोरेट कर सभी सरकारी करों से बड़ा है इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था को कॉर्पोरेट क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1, और 2

(d) एन या तो 1 और न ही 2।

उत्तर-(d)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही नहीं है क्योंकि यह वास्तविक नहीं है, अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए जीएसटी कर को दिन-प्रतिदिन बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि इससे आम लोगों पर अनावश्यक बोझ पड़ सकता है। कथन 2 सही नहीं है क्योंकि यह परिच्छेद के संदर्भ से बाहर चला जाता है।

भारत में किसान

परिच्छेद: भारत के 30 मिलियन किसानों के पास एक हेक्टेयर या उससे अधिक भूमि है, जो दस लाख कृषि परिवार बनाने के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि है। केवल वे ही जो वास्तव में

कृषि पर निर्भर हैं और जिनके पास श्रम संसाधनों का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त भूमि है, वास्तविक रूप से कृषि आय को दोगुना या तिगुना कर सकते हैं। उन्हें बाज़ार, पानी, बिजली, ऋण और अन्य उत्पादकता बढ़ाने वाले इनपुट तक पहुंच में सुधार करके ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए। पूरा ध्यान इनपुट के अधिक कुशल उपयोग और न्यूनतम पर्यावरणीय पदचिह्न सुनिश्चित करके उत्पादन लागत को कम करने और उपज बढ़ाने पर होना चाहिए। बेशक, सवाल उठता है कि वह शेष 60-65 मिलियन परिवारों - जिनके पास एक हेक्टेयर से कम है - को कहां छोड़ता है? उत्तर सरल है: उनका भविष्य खेतों के बाहर है।

प्रश्न-27. निम्नलिखित में से कौन सा/से सबसे तर्कसंगत और तार्किक निष्कर्ष है/हैं जो परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1. देश के हर किसान की आय दोगुनी करना संभव नहीं है।

2. सरकार को किसानों के लिए न्यूनतम उत्पादन लागत सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी का उपयोग करना चाहिए।

3. कृषि नीति से देश के अधिकांश किसानों को लाभ नहीं हो सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1

(b) केवल 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर-(c)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही है क्योंकि यह उन लोगों के लिए दोगुनी आय की बात करता है जो वास्तव में कृषि पर निर्भर हैं। पूरे किसानों की आय दोगुनी करना शायद ही संभव है। अत: यह

विकल्प सही है। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि यह बॉक्स से बाहर चला जाता है और परिच्छेद के दायरे से परे है क्योंकि परिच्छेद में कहीं भी सब्सिडी पर चर्चा नहीं की गई है। **कथन 3** सही है क्योंकि परिच्छेद में उल्लेख किया गया है कि एक हेक्टेयर से कम भूमि वाले किसानों को नीति से लाभ नहीं मिल सकता है। आख़िरकार, नीति उन पर लक्षित नहीं है।

अफ्रीकी कृषि जलवायु-

परिच्छेद: पूरे महाद्वीप में अधिकांश आजीविकाओं का गठन किससे होता है? अफ़्रीका परिवर्तन की खोज और प्रभाव रखता है। आईपीसीसी के अनुमानों से पता चलता है कि वार्मिंग परिदृश्यों का फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। प्रमुख कृषि जोखिमों में गर्मी और सूखे के तनाव से जुड़ी फसल उत्पादकता में कमी और कीट क्षति में वृद्धि, बीमारी से संबंधित क्षति और खाद्य प्रणाली के बुनियादी ढांचे पर बाढ़ का प्रभाव शामिल है, जिससे क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और व्यक्तिगत घरों में खाद्य सुरक्षा और आजीविका पर बड़े नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। इस सदी के मध्य तक, क्षेत्रीय परिवर्तनशीलता और फसल अंतर के कारण, अफ्रीका में उगाई जाने वाली प्रमुख अनाज की फसलें प्रतिकूल रूप से प्रभावित होंगी। सबसे खराब संभावित जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत, पश्चिम और मध्य अफ्रीका में औसत उपज में 13% उत्तरी अफ्रीका में 11% और पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में 8% की कमी आएगी। बाजरा और ज्वार सबसे आशाजनक फसलें हैं, 2050 तक उपज में केवल 5 प्रतिशत और ज्वार में 8 प्रतिशत की हानि होगी, क्योंकि वे गर्मी के तनाव के प्रति अधिक प्रतिरोधी हैं, जबकि चावल और गेहूं के सबसे अधिक प्रभावित फसलें होने की उम्मीद है। 2050 तक उपज में 12% और 21% की हानि होगी। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार, 2012 के बाद से सूखाग्रस्त उप-सहारा अफ्रीका में कुपोषित लोगों की संख्या में 45.6% की वृद्धि हुई है।

प्रश्न-28. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1-जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक परिणाम पश्चिम और मध्य अफ्रीका में केंद्रित हैं, जहां अनुपातहीन संख्या में गरीब देश स्थित हैं।

2. अफ्रीका में तटीय क्षरण एक बड़ी चुनौती है और समुद्र के स्तर में वृद्धि के कारण इसके और भी बदतर होने की आशंका है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (d)

स्पष्टीकरण - कथन 1 गलत है, क्योंकि इस सदी के मध्य तक, अफ्रीका में उगाई जाने वाली प्रमुख अनाज की फसलें प्रतिकूल रूप से प्रभावित होंगी। हालाँकि, यह नहीं माना जा सकता कि इस क्षेत्र में गरीब देशों की संख्या अनुपातहीन है। कथन 2 गलत है क्योंकि परिच्छेद में तटीय स्थितियों के बिगड़ने पर समुद्र के स्तर में वृद्धि के प्रभाव का उल्लेख नहीं किया गया है। इसलिए, यह कथन पैराग्राफ के दायरे से परे है।

प्रश्न-29. निम्नलिखित में से कौन सा/से सबसे तर्कसंगत और तार्किक निष्कर्ष है/हैं जो परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1. गर्म तापमान कृषि कीटों के जीवित रहने की स्थिति को बढ़ाता है।

2. खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अफ्रीका में अधिक जैव-इंजीनियर्ड फसलें शुरू करने की आवश्यकता है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (a)

स्पष्टीकरण - कथन 1 मान्य है क्योंकि परिच्छेद में कहा गया है कि कृषि के लिए मुख्य जोखिम कीटों से खाद्य प्रणाली के बुनियादी ढांचे को होने वाली क्षति है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि कीटों की संख्या बढ़ने पर इनसे होने वाली क्षति भी बढ़ जाती है। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि यह परिच्छेद अफ्रीकी कृषि के लिए जलवायु परिवर्तन के खतरों पर केंद्रित है। परिच्छेद में उचित जलवायु परिवर्तन का उल्लेख नहीं है। इसलिए, परिच्छेद से इसका सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

राजनीति दर्शन -

परिच्छेद: राजनीतिक दर्शन का अभ्यास तब तक किया जाता था जब तक लोग अपने सामूहिक संगठन को अपरिवर्तनीय और प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा नहीं मानते थे, लेकिन शायद परिवर्तन के लिए खुले थे और इसलिए दार्शनिक औचित्य की आवश्यकता थी। यह कई अलग-अलग संस्कृतियों में पाया जाता है और कई रूप लेता है। इस विविधता के दो कारण हैं। सबसे पहले, राजनीतिक दार्शनिकों द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियाँ और दृष्टिकोण उनके समय के सामान्य दार्शनिक रुझानों को दर्शाते हैं। लेकिन दूसरा, आज के राजनीतिक मुद्दे।

प्रश्न-30. निम्नलिखित में से कौन सा/से सबसे तर्कसंगत और तार्किक निष्कर्ष है/हैं जो परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1. दार्शनिक औचित्य खोजने की मनुष्य की प्रकृति के कारण राजनीतिक दर्शन का अभ्यास हमेशा परिवर्तन के लिए खुला रहा है।

2. राजनीतिक दार्शनिकों की पद्धतियाँ समाज के राजनीतिक मामलों की स्थिति को दर्शाती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर-(a)

स्पष्टीकरण - कथन 1 सही है क्योंकि वंशावली अपने सामूहिक संगठन को अपरिवर्तनीय और प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा नहीं मानती थी, लेकिन शायद परिवर्तन के लिए तैयार थी। इस प्रकार, राजनीतिक दर्शन उस समय के सामान्य दार्शनिक रुझानों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक मुद्दों से भी प्रभावित होता है। कथन 2 सही है क्योंकि राजनीतिक दर्शन विभिन्न रूप लेता है और राजनीतिक दार्शनिक सामान्य दार्शनिक वर्तमान मुद्दों पर विचार करते हैं। इस प्रकार, वे समाज की राजनीतिक स्थिति को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। अत: यह कथन सत्य है।

मानव बनाम रोबोट-

परिच्छेद: रोबोट तेजी से लोगों के बीच काम कर रहे हैं, और अब वे कारखानों और गोदामों में हमारे साथ काम करते हैं, हमारी सड़कों और फुटपाथों को साझा करते हैं, हमारे घरों को साफ करते हैं, और हमारे बीच सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करते हैं। ये उभरते सामाजिक संदर्भ उस ज्ञान में नई आवश्यकताएं जोड़ते हैं जिन्हें सफल रोबोटिस्टों को आवश्यकता होती

है। कई रोबोटिस्ट मानव-मशीन संपर्क और प्रयोज्यता की मूल बातें सीखते हैं। मानव एजेंटों द्वारा निर्णय लेने, मानव नेविगेशन और रास्ता खोजने, मानव संचार और जानबूझकर व्यवहार की मानव व्याख्या पर संज्ञानात्मक विज्ञान से मूलभूत अवधारणाओं को बहुत कम लोग सीखते हैं जिनका उपयोग रोबोटों को मानव कार्यों की व्याख्या करने में मदद करने के लिए किया जा सकता है। सभी स्वायत्त प्रणालियों में नैतिक प्रभाव हो सकते हैं, और सभी को अनैतिक परिणामों से बचने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। डिज़ाइनर अपने डिज़ाइन के लिए कुछ जिम्मेदारी निभाते हैं, यहां तक कि उस दुनिया में भी जहां वे जो स्वायत्त सिस्टम डिज़ाइन करते हैं वह अंततः अन्य स्वायत्त सिस्टम डिज़ाइन करते हैं।

प्रश्न- 31. उपरोक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. मानव क्रियाओं की व्याख्या के संबंध में रोबोटिक्स में और अधिक सीखने की आवश्यकता है।

2. इसमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए कि नैतिक परिणाम स्वायत्त प्रणालियों के डिजाइनरों की प्राथमिकताओं में से एक होना चाहिए।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (c)

स्पष्टीकरण- कथन 1 मान्य है क्योंकि यह मानव एजेंटों द्वारा निर्णय लेने के बारे में बुनियादी संज्ञानात्मक विज्ञान अवधारणाओं को सिखाता है। मानव नेविगेशन और रास्ता खोजना, मानव संपर्क, और जानबूझकर व्यवहार की मानवीय व्याख्या जिसका उपयोग रोबोट द्वारा

मनुष्यों की व्याख्या करने के लिए किया जा सकता है। इसलिए, इस क्षेत्र में और अधिक सीखने की आवश्यकता है। अत: यह धारणा सही है। कथन 2 सही है क्योंकि सभी स्वायत्त प्रणालियों के नैतिक परिणाम हो सकते हैं और सभी को अनैतिक परिणामों से बचने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। अत: यह धारणा सही है।

प्रश्न- 32. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) रोबोट पर मानव निर्भरता मानव समाज का भविष्य है।

(b) नैतिक शोधकर्ताओं को रोबोट को मानव समाज में लागू करना चाहिए।

(c) मानव-मशीन संपर्क के क्षेत्र में भविष्य के सामाजिक संदर्भों को निर्धारित करना मुश्किल है।

(d) जैसे-जैसे मनुष्यों के लिए रोबोट का उपयोग बढ़ता है, उनके डिजाइन और कार्यक्षमता के नैतिक आयाम पर उचित रूप से विचार किया जाना चाहिए।

उत्तर- (d)

स्पष्टीकरण - विकल्प (d) सही है क्योंकि रोबोट तेजी से मनुष्यों के बीच काम करते हैं, और अब वे कारखानों और गोदामों में हमारे साथ काम करते हैं। इस प्रकार, अनैतिक परिणामों से बचने के लिए रोबोट के डिज़ाइन पर ध्यान देना चाहिए। तो, यह विकल्प परिच्छेद का सार प्रस्तुत करता है। **विकल्प (a)** गलत है क्योंकि कुछ क्षेत्र जिनमें रोबोट काम करते हैं वे मनुष्यों के क्षेत्र हैं। **विकल्प (b)** गलत है क्योंकि इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया है कि रोबोट को शामिल करने से हमेशा अनैतिक परिणाम सामने आते हैं। **विकल्प (c)** गलत है क्योंकि उभरता हुआ सामाजिक संदर्भ उस ज्ञान पर नई मांग रखता है जिसकी सफल रोबोटिस्टों को आवश्यकता होती है।

संरचनावाद-

परिच्छेद: संरचनावाद प्रकृति और मानव जीवन की समझ का एक रूप है जो व्यक्तिगत वस्तुओं के बजाय रिश्तों में रुचि रखता है, या जिसमें वस्तुओं को उनके गुणों के अलगाव के बजाय उन रिश्तों द्वारा परिभाषित किया जाता है जिनसे वे संबंधित हैं। संरचनावाद एक दर्शन और पद्धति है जो 20वीं सदी के मध्य में भाषाविज्ञान के क्षेत्र में अंतर्दृष्टि से सामाजिक जीवन के अंतर्निहित पैटर्न का अध्ययन करने के लिए विकसित हुई। सामाजिक विज्ञानों में, संरचनावादी अनुसंधान पद्धति ने न केवल स्वयं में संरचनाओं या संबंधों की पहचान करने की कोशिश की, बल्कि सक्रिय मानव विषयों (सतह की घटनाओं) की दृश्यमान और जागरूक योजनाओं (विश्वासों, विचारों, व्यवहार) के पीछे या नीचे देखने की कोशिश की। यह प्रकट करने के लिए कि ये योजनाएँ कैसे प्रभाव, अंतर्निहित कारण, छिपे हुए तंत्र या सीमित संख्या में "गहरी" संरचनाएँ हैं जो मानव मस्तिष्क के लिए सार्वभौमिक हैं। संरचनावादी दृष्टिकोण का आविष्कार और विकास कई प्रमुख विचारकों और विभिन्न विषयों के कई अन्य लोगों द्वारा किया गया था। हालाँकि, मानव भूगोल में संरचनावाद के रक्षक की कमी के कारण, संरचनावाद ने 1970 के दशक की शुरुआत में बहुत ही सीमित तरीके से मानव भूगोल में प्रवेश किया। इस प्रकार, संरचनावाद समकालीन मानव भूगोल में मुख्य रूप से प्रासंगिक और महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने अपने द्वारा उत्पन्न दार्शनिक आंदोलनों, अर्थात् विखंडन और अन्य उत्तर-संरचनावादों पर निशान छोड़े हैं जिन पर आज मानव भूगोल में बहुत अधिक ध्यान दिया जाता है।

प्रश्न-33. निम्नलिखित परिच्छेद से आपने क्या धारणा बनाई है?

1-संरचनावाद संरचना के रूप में मानवीय संबंधों का अध्ययन करता है।

2- संरचनावाद मानवीय भावनाओं के रूप में वैज्ञानिक भूगोल का अध्ययन करता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर- (a)

स्पष्टीकरण- कथन 1 मान्य है क्योंकि परिच्छेद में कहा गया है संरचनावाद संरचना के रूप में मानवीय संबंधों का अध्ययन करता है। अतः यह विकल्प सही बैठता है। **कथन 2** सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद में यह नहीं बताया गया है कि संरचनावाद मानवीय संबंधों के रूप में वैज्ञानिक भूगोल का अध्ययन करता है। अत: यह विकल्प ग़लत है।

कट्टरपंथी नारीवाद

परिच्छेद: कट्टरपंथी नारीवाद भी उदारवादी और मार्क्सवादी नारीवाद के विरोध में बनाया गया है, जिनमें से पहला केवल समान अधिकारों की मांग करता है, जबकि दूसरा महिलाओं और उत्पीड़न के आर्थिक विश्लेषण तक सीमित है, और मानता है कि पूंजीवाद को खत्म करना उन्हें मुक्त करने के लिए पर्याप्त है। दूसरी ओर, कट्टरपंथी नारीवाद, पितृसत्तात्मक उत्पीड़न के मूल कारणों को संबोधित करना चाहता है, न कि केवल आर्थिक परिवर्तन का कानून बनाना। उदारवादी नारीवाद के विपरीत, जो व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करता है और महिलाओं को एक सामूहिक समूह के रूप में देखता है जो पुरुषों द्वारा उत्पीड़ित होता रहा है। इसका तर्क है कि पुरुष पितृसत्तात्मक विनियोग के माध्यम से महिलाओं पर अत्याचार करते हैं। पितृसत्ता एक ऐसी व्यवस्था को संदर्भित करती है जहां पुरुषों के एक समूह के पास परिवार या समाज में आर्थिक और राजनीतिक शक्ति होती है, और समाज में महिलाओं के एक समूह को उनके शरीर, काम, कामुकता आदि के अनुसार नियंत्रित करते हैं। इसलिए महिलाओं और पुरुषों के वर्चस्व का मुख्य कारण नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की कमी नहीं है, जैसा कि उदारवादी नारीवादियों का मानना था, या पूंजीवादी आर्थिक व्यवस्था, जैसा कि मार्क्सवादी नारीवादियों का मानना था, बल्कि पितृसत्ता, यानी पुरुषों द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्ति

है। कट्टरपंथी नारीवादियों का तर्क है कि महिलाओं का उत्पीड़न प्रकृति में सर्वव्यापी है, पितृसत्ता उत्पीड़न की एक प्रणाली है जो सभी समाजों में हमेशा मौजूद रहती है।

प्रश्न-34.उपरोक्त उद्धृत अनुच्छेद से आप क्या अनुमान लगाएंगे?

1- इसका तर्क है कि पुरुष पितृसत्तात्मक विनियोग के माध्यम से महिलाओं पर अत्याचार करते हैं।
2- कट्टरपंथी नारीवाद पितृसत्तात्मक नियंत्रण के माध्यम से महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ है।
3- कट्टरपंथी नारीवाद का मानना है कि पुरुषों को महिलाओं के प्रति दया और सहानुभूति रखनी चाहिए क्योंकि वे पुरुषों की तुलना में निर्णय लेने में कम मजबूत होती हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 3

(d)केवल 1 और 2

उत्तर-(d)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि यह कहना सही है कि पुरुष हमेशा पितृसत्तात्मक विनियोग के पर्दे के तहत महिलाओं पर अत्याचार करते हैं। **कथन 2** सही है क्योंकि यह सही ढंग से मानता है कि कट्टरपंथी नारीवाद ने पितृसत्तात्मक नियंत्रण के खिलाफ आवाज उठाई। कथन 3 गलत है क्योंकि यह इस भूल को बताता है कि कट्टरपंथी नारीवाद का मानना है कि पुरुषों को महिलाओं के प्रति दया महसूस करनी चाहिए। आख़िरकार, वे निर्णय लेने में महिलाओं की तुलना में अधिक मजबूत हैं। ऐसा कहना व्यर्थ है। अत: यह विकल्प ग़लत हो गया।

उपयोगीता

परिच्छेद: उपयोगितावाद दर्शन के इतिहास में मानक नैतिकता के सबसे शक्तिशाली और प्रेरक दृष्टिकोणों में से एक है। यद्यपि 19वीं सदी तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं किया गया था, लेकिन नैतिक सिद्धांत के इतिहास में प्रोटो-उपयोगितावादी पदों को देखा जा सकता है। यद्यपि विचार की कई किस्मों पर चर्चा की गई है, उपयोगितावाद को आम तौर पर यह माना जाता है कि नैतिक रूप से सही कार्रवाई वह कार्रवाई है जो सर्वोत्तम उत्पादन करती है। इस सामान्य दावे को स्पष्ट करने के कई तरीके हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि सिद्धांत परिणामवाद का एक रूप है। सही कार्रवाई को पूरी तरह से उत्पन्न परिणामों के संदर्भ में समझा जाता है। उपयोगितावाद को अहंवाद से जो अलग करता है उसका संबंध प्रासंगिक परिणामों के दायरे से है। उपयोगितावादी दृष्टिकोण में, व्यक्ति को समग्र भलाई को अधिकतम करना चाहिए अर्थात अपनी भलाई के साथ-साथ दूसरों की भलाई पर भी विचार करना चाहिए। शास्त्रीय उपयोगितावादी, जेरेमी बेंथम और जॉन स्टुअर्ट मिल ने आनंद के साथ अच्छाई की पहचान की, इसलिए, एपिकुरस की तरह, वे मूल्यों के बारे में सुखवादी थे। एपिक्यूरियनवाद मानसिक और शारीरिक दोनों तरह के अधिक सुखों पर ध्यान केंद्रित करता है। उनका यह भी मानना था कि हमें भलाई को अधिकतम करना चाहिए, यानी 'सबसे बड़ी संख्या के लिए भलाई की सबसे बड़ी मात्रा' लानी चाहिए। यह निष्पक्षता और एजेंट तटस्थता द्वारा भी प्रतिष्ठित है। हर किसी की ख़ुशी एक समान मायने रखती है। जब कोई अच्छे को अधिकतम करता है, तो वह निष्पक्ष रूप से अच्छे पर विचार किया जाता है। मेरी भलाई किसी और की भलाई से बढ़कर नहीं है। इसके अलावा, जिस कारण से मुझे समग्र अच्छाई को बढ़ावा देना है, वही कारण किसी और को भी अच्छाई को बढ़ावा देना है। नैतिक मूल्यांकन या नैतिक निर्णय लेने के इस दृष्टिकोण की सभी विशेषताएं कुछ हद तक विवादास्पद साबित हुई हैं, और बाद के विवादों के कारण सिद्धांत के शास्त्रीय संस्करण में बदलाव हुए हैं।

प्रश्न-35. उपरोक्त उद्धृत परिच्छेद पर आप क्या धारणा बनाएंगे?

1- लेखक एक सामान्य दृष्टिकोण को उचित ठहराना चाहता है जो उपयोगितावादी सही और गलत विकल्पों के लिए चिल्लाता है।

2-वे अधिक उपयुक्त और अच्छाई में सबसे महान होते हैं।

3- उपयोगितावादी उन आंतरिक मूल्यों से सहमत हैं जो अच्छे कार्यों का प्रचार करते हैं और समाज की भलाई के लिए सामाजिक-राजनीतिक नैतिकता को बढ़ावा देते हैं।

4- यह सही परिणामों के लिए समानता और आचार संहिता को एक साथ औपचारिक बनाता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1, 2 और 3

(d)केवल 1, 2, और 4

उत्तर- (d)

स्पष्टीकरण: कथन 1, 2, और **4 सही** हैं क्योंकि उपयोगितावाद एक नैतिक दर्शन है जो उन कार्यों को निर्धारित करता है जो खुशी को अधिकतम करते हैं और उन कार्यों का विरोध करते हैं जो दुख का कारण बनते हैं और सामान्य उपयोगितावादी दृष्टिकोण की वकालत करते हैं, जबकि **विकल्प 3** उपयोगितावादी दर्शन के सही अर्थ को नहीं पकड़ता है।

प्रश्न-36. यदि उपयोगितावादी विचार समग्र अच्छाई को बढ़ावा देने के लिए सर्वोत्तम और सही कार्यों की पहचान करता है तो आप क्या निष्कर्ष निकालेंगे?

1-यह उन कार्यों में व्याप्त है जिन्हें सुख में अच्छे परिणाम और दुःख में बुरे परिणाम के रूप में जाना जा सकता है।

2-उपयोगितावाद एक ऐसे दर्शन पर आधारित है जो सबसे बड़ी संख्या के लिए अधिकतम भलाई का प्रस्ताव करता है।

3- उपयोगितावादी सिद्धांत में यह अच्छे लोगों के लिए सबसे बड़ी संख्या में मांग वाली आपत्तियों को उचित ठहरा सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1, 2 और 3

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर (a)

स्पष्टीकरण - कथन 1 और **2** सही अनुमान हैं क्योंकि अच्छाई को बढ़ावा देने के लिए उपयोगितावादी नैतिकता खुशी में अच्छे परिणाम और दुख में बुरे परिणाम की अनुमति देती है, यह बड़ी संख्या में लोगों के लिए सबसे बड़ी भलाई को भी त्याग देती है। लेकिन इसमें अच्छे और सही परिणामों पर कोई आपत्ति नहीं है और कानूनी नीतियों की कोई अस्वीकृति नहीं है। कथन 1 और 2 सही ढंग से अनुमान लगा सकते हैं कि उपयोगितावादी दर्शन की उचित भावना को बढ़ावा मिलता है। **कथन 3** उपयोगितावाद के विचार को अस्वीकार करता है। इसलिए, कथन 3 सही विकल्प नहीं है।

मनोविश्लेषण सिद्धांत-

परिच्छेद: मनोगतिकी या मनोविश्लेषण और मनोविश्लेषणात्मक विचारधारा के अन्य स्कूल कई सिद्धांतकारों द्वारा विकसित किए गए हैं और बाद की समस्याओं या स्वास्थ्य के स्रोत के रूप में बच्चों की प्रारंभिक देखभाल करने वालों के साथ प्राथमिक संबंधों की समस्याओं पर जोर देते हैं। मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत हमें किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व और व्यक्तित्व

विकास को समझने में मदद करता है और यह मनोविकृति के इलाज की एक नैदानिक पद्धति है। ऑब्जेक्ट-रिलेशनल स्कूल फ्रायड के सिद्धांत के दो तत्वों को चुनता है जिन्हें उन्होंने कभी भी पूरी तरह से विकसित नहीं किया। एक विचार यह है कि सुपररेगो और ईगो बड़े पैमाने पर शुरुआती देखभाल करने वालों (बच्चे के वातावरण में "वस्तुओं") के साथ पहचान के परिणामस्वरूप बनते हैं। दूसरे शब्दों में, माता-पिता और अन्य प्रिय व्यक्ति बच्चे के विकासशील सुपरईगो के नैतिक आदर्शों और ईगो से मुकाबला करने और रक्षात्मक शैली के लिए महत्वपूर्ण रोल मॉडल हैं। दूसरा विचार यह है कि बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने अनुभवों के आधार पर मानसिक मॉडल विकसित करते हैं कि रिश्ते कैसे काम करते हैं। उदाहरण के लिए, एक आरामदायक और खुशहाल माहौल में बड़ा हुआ बच्चा रिश्तों में आराम और खुश महसूस करना सीखता है और बाद में जीवन में ऐसे रिश्तों की तलाश करता है। दूसरी ओर, चिंतित या उदास माता-पिता द्वारा पाले गए बच्चे में रिश्तों के बारे में चिंतित या अवसादग्रस्त दृष्टिकोण अपनाने की संभावना हो सकती है जो बाद के जीवन में रिश्ते की समस्याओं में योगदान दे सकता है। वस्तु-संबंध और लगाव सिद्धांत मुख्य रूप से प्रारंभिक बाल-देखभालकर्ता संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिसमें मनोवैज्ञानिक चरणों पर कम ध्यान दिया जाता है। ये सिद्धांत मानते हैं कि बुनियादी मानव प्रेरणा पारस्परिक संबंध के लिए है, न कि यौन या आक्रामक सहज संतुष्टि के लिए। वे बच्चे के मनोवैज्ञानिक आंतरिककरण और महत्वपूर्ण देखभाल करने वालों (माता-पिता) के साथ पहचान पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो उसके माता-पिता की तरह बनने वाले व्यक्तित्व गुणों का आधार है।

प्रश्न-37. ऊपर दिए गए परिच्छेद से आप क्या धारणा बनाएंगे?

1-मनोविश्लेषण गतिशील व्यक्तित्व विकार की जांच के लिए प्रारंभिक चरण में बच्चे-माता-पिता के रिश्ते का विचार बनाता है।

2-यह विपरीत लिंग के माता-पिता के प्रति अचेतन लगाव का परिवर्तन है

3- मनोविश्लेषण देखभाल करने वालों की दमित इच्छाओं और भावनात्मक संघर्षों का वर्णन करता है

4-जब कोई बच्चा अस्वस्थ या उदास माहौल में रहता है तो वह रिश्तों के प्रति चिंतित या अवसादग्रस्त दृष्टिकोण को अपने अंदर समाहित कर सकता है जो बाद के जीवन में रिश्ते की समस्याओं में योगदान दे सकता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1,2 और 4

(d) केवल 1,2,3 और 4

उत्तर- (c)

स्पष्टीकरण - कथन 1, 2, और **4** सही विकल्प हैं क्योंकि मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत एक व्यक्तित्व विकास सिद्धांत है जो मुख्य रूप से सामाजिक रूप से अस्वीकार्य विचारों, चिंता, दर्दनाक यादों और अपने माता-पिता के प्रति दर्दनाक भावनाओं के भंडार के रूप में एक बच्चे के अचेतन मन और दमित इच्छाओं से संबंधित है। कथन 1,2 और 4 मनोविश्लेषण सिद्धांत की सटीक मनोदशा को दर्शाते हैं लेकिन **कथन 3** बच्चे की नहीं बल्कि देखभाल करने वालों की दमित इच्छाओं का वर्णन करता है । **तो, विकल्प (c) सही विकल्प है।**

परिच्छेद: अमीर राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे कार्बन उत्सर्जन में कटौती करें और स्वच्छ ऊर्जा निवेश को बढ़ावा दें। ये वे राज्य हैं जहां बिजली तेजी से बढ़ी और अब उनकी प्रति व्यक्ति आय ऊंची है, जिससे वे पर्यावरण-अनुकूल बनने के भारत के बोझ को साझा करने में सक्षम हो गए हैं। उदाहरण के लिए, दिल्ली सौर छत पैनलों का उपयोग करके अपनी स्वच्छ बिजली पैदा करके मदद कर सकती है या गरीब राज्यों को उनकी स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तपोषित करने में भी मदद कर सकती है। यह कोई रहस्य नहीं है कि राज्य बिजली बोर्ड, जो 95% वितरण नेटवर्क को नियंत्रित करते हैं, गले तक घाटे में हैं। ये नुकसान राज्य

उपयोगिताओं को नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने से हतोत्साहित करते हैं क्योंकि यह जीवाश्म ईंधन की तुलना में अधिक महंगा है।

प्रश्न-38. निम्नलिखित में से कौन सी सबसे तार्किक और तर्कसंगत धारणा है जो उपरोक्त परिच्छेद से बनाई जा सकती है?

(a)अमीर राज्यों को नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन और अपनाने में नेतृत्व करना चाहिए।

(b) गरीब राज्यों को बिजली के लिए हमेशा अमीर राज्यों पर निर्भर रहना पड़ता है।

(c) राज्य बिजली बोर्ड स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं शुरू करके अपने वित्त में सुधार कर सकते हैं।

(d) अमीर और गरीब राज्यों के बीच उच्च आर्थिक असमानता भारत में उच्च कार्बन उत्सर्जन का प्रमुख कारण है।

उत्तर-(a)

स्पष्टीकरण- विकल्प (a) सही है क्योंकि परिच्छेद विशेष रूप से अमीर राज्यों में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की जिम्मेदारी का विवरण देता है। तदनुसार, अमीर राज्य उन्नत हैं और उनके पास वह सब कुछ है जो संघर्षरत देशों को विकसित चरण तक पहुंचने में मदद करता है, **विकल्प (b)** गलत है क्योंकि यह गलत मानता है कि गरीब राज्य हमेशा बिजली के लिए अमीर राज्यों पर निर्भर रहते हैं। **विकल्प (c)** परिच्छेद से आगे जाता है क्योंकि यह कहता है कि राज्य बिजली बोर्ड गले तक घाटे में है क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तुलना में अधिक महंगी है। **विकल्प (d)** फिर से गलत है क्योंकि इसमें कहा गया है कि अमीर और गरीब राज्यों के बीच उच्च आर्थिक असमानता भारत में उच्च कार्बन उत्सर्जन का प्रमुख कारण है।

परिच्छेद: सरकार का अंतिम उद्देश्य भय से शासन या नियंत्रण करना नहीं है, न ही आज्ञाकारिता की मांग करना है, बल्कि इसके विपरीत, प्रत्येक व्यक्ति को भय से मुक्त करना है, ताकि वह हर संभव सुरक्षा में रह सके। दूसरे शब्दों में, खुद को या दूसरों को चोट पहुंचाए बिना अस्तित्व में रहने और काम करने के उसके प्राकृतिक अधिकार को मजबूत करना।

सरकार का उद्देश्य मनुष्यों को तर्कसंगत प्राणी से जानवर या कठपुतली में बदलना नहीं है। इससे उन्हें अपने दिमाग और शरीर को सुरक्षित रूप से विकसित करने और बिना किसी बंधन के अपने विवेक को नियोजित करने में सक्षम होना चाहिए।

प्रश्न-39. उपरोक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) सरकार का असली उद्देश्य नागरिकों की सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता को सुरक्षित करना है।

(b) सरकार की प्राथमिक चिंता अपने सभी नागरिकों को पूर्ण सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

(c) सबसे अच्छी सरकार वह है जो नागरिकों को जीवन के सभी मामलों में पूर्ण स्वतंत्रता का आनंद लेने की अनुमति देती है।

(d) सबसे अच्छी सरकार वह है जो देश के लोगों को पूर्ण शारीरिक सुरक्षा प्रदान करती है।

उत्तर-(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) गद्यांश के अनुसार सही है, सरकार का उद्देश्य मनुष्य के प्राकृतिक अधिकारों को मजबूत करना और उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना होना चाहिए। तो, सबसे तार्किक और तर्कसंगत अनुमान **विकल्प (b)** है। **विकल्प (a)** उनकी सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के बारे में बात करता है। **विकल्प (c)** सरकारी व्यवस्था में संभव नहीं है। क्योंकि यह एक आदर्श स्थिति की बात करता है। **विकल्प (d)** सरकार की सीमित शक्ति पर जोर देता है।

परिच्छेद: हमारे नगर निगमों में कर्मचारियों की कमी है। कर्मचारियों की कुशलताओं और दक्षताओं का मुद्दा और भी बड़ी चुनौती है। शहरी सेवा वितरण और बुनियादी ढांचे की योजना बनाना और क्रियान्वयन करना जटिल है। उन्हें उच्च स्तर की विशेषज्ञता और व्यावसायिकता की आवश्यकता होती है। वर्तमान ढाँचा जिसके अंतर्गत वरिष्ठ प्रबंधन सहित

नगरपालिका कर्मचारियों की भर्ती की जाती है, आवश्यक तकनीकी और प्रबंधकीय दक्षताओं को पर्याप्त रूप से ध्यान में नहीं रखता है। कैडर और भर्ती नियम केवल शैक्षणिक योग्यता में न्यूनतम न्यूनतम निर्दिष्ट करते हैं। प्रबंधकीय या तकनीकी दक्षताओं या प्रासंगिक कार्य अनुभव का कोई उल्लेख नहीं है। अधिकांश नगर निगमों का यही हाल है। वे कमज़ोर संगठनात्मक डिज़ाइन और संरचना से भी पीड़ित हैं।

प्रश्न-40. निम्नलिखित में से कौन सी सबसे तार्किक और तर्कसंगत धारणा है जो उपरोक्त परिच्छेद से बनाई जा सकती है?

(a) शहरी सेवाएं प्रदान करने का कार्य एक जटिल मुद्दा है जिसके लिए पूरे देश में नगर निकायों के संगठनात्मक विस्तार की आवश्यकता है।

(b) यदि हमारे स्थानीय सरकारी निकायों के पास आवश्यक कौशल और दक्षता वाले पर्याप्त कर्मचारी हों तो हमारे शहर जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्रदान कर सकते हैं।

(c) कुशल कर्मचारियों की कमी उन संस्थानों की अनुपस्थिति के कारण है जो शहर प्रबंधन में अपेक्षित कौशल प्रदान करते हैं।

(d) हमारा देश तेजी से शहरीकरण से जुड़ी समस्याओं का प्रबंधन करने के लिए जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ नहीं उठा रहा है।

उत्तर-(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि लेखक विभिन्न मुद्दों का सामना कर रहे नगर निगमों की समस्या पर प्रकाश डालता है, इन मुद्दों के कारण, हमारे शहर जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं जो स्थानीय सरकारी निकाय प्रदान कर सकते हैं। तो, विकल्प (b) सबसे अच्छी धारणा है। **विकल्प (a)** शहरी सेवा के प्रावधान को एक जटिल मुद्दे के रूप में बताता है जिसे पूरे देश में नगर निकायों के विस्तार से हल किया जा सकता है। **विकल्प (c)** केवल कर्मचारियों के कौशल पर जोर देता है और **विकल्प (d)** अप्रासंगिक है।

परिच्छेद: अविकसित और औद्योगिक देशों के बीच राष्ट्रीय आय की तुलना में वैचारिक कठिनाइयाँ विशेष रूप से गंभीर हैं क्योंकि विभिन्न अविकसित देशों में राष्ट्रीय उत्पादन का एक हिस्सा वाणिज्यिक चैनलों से गुजरे बिना उत्पादित किया जाता है।

परिच्छेद: अविकसित और औद्योगिक देशों के बीच राष्ट्रीय आय की तुलना में अवधारणात्मक कठिनाइयाँ विशेष रूप से गंभीर हैं क्योंकि विभिन्न अविकसित देशों में राष्ट्रीय उत्पादन का एक हिस्सा वाणिज्यिक चैनलों से गुजरे बिना उत्पादित किया जाता है।

Q-41. उपरोक्त कथन में, लेखक का तात्पर्य है कि

(a) औद्योगिक देशों में उत्पादित और उपभोग किया जाने वाला संपूर्ण राष्ट्रीय उत्पादन वाणिज्यिक चैनलों से होकर गुजरता है।

(b) विभिन्न अविकसित देशों में गैर-व्यावसायिक क्षेत्रों का अस्तित्व देशों की राष्ट्रीय आय तुलना को कठिन बना देता है।

(c) राष्ट्रीय उत्पादन का कोई भी हिस्सा वाणिज्यिक चैनलों से गुज़रे बिना उत्पादित और उपभोग नहीं किया जाना चाहिए।

(d) राष्ट्रीय उत्पादन का एक हिस्सा वाणिज्यिक चैनलों से गुजरे बिना उत्पादित और उपभोग किया जाना अविकसितता का संकेत है।

उत्तर-(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि लेखक अविकसित और औद्योगिक देशों की राष्ट्रीय आय की तुलना करते समय आने वाली कठिनाइयों का वर्णन करता है। यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विकसित देशों में राष्ट्रीय उत्पादन वाणिज्यिक चैनलों से होकर गुजरता है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि यह राष्ट्रीय उत्पादन पर जोर देता है जो वाणिज्यिक चैनलों से गुजरता है। विकल्प (c) गलत तरीके से मानता है कि वाणिज्यिक चैनलों से गुजरे बिना किसी भी राष्ट्रीय उत्पादन का उत्पादन और उपभोग नहीं किया जाना चाहिए। विकल्प (d) गलत है

क्योंकि यह कहता है कि वाणिज्यिक चैनलों से गुजरने वाला राष्ट्रीय उत्पादन अविकसितता का संकेत है।

परिच्छेद: वायुमंडल में मानव निर्मित कार्बन डाइऑक्साइड में वृद्धि से पौधों और सूक्ष्मजीवों के बीच एक श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू हो सकती है जो ग्रह की मिट्टी पर सबसे बड़े कार्बन भंडारों में से एक को अस्थिर कर देगी। एक अध्ययन में, यह पाया गया कि मिट्टी, जिसमें सभी पौधों और पृथ्वी के वायुमंडल में मौजूद कार्बन की दोगुनी मात्रा शामिल है, तेजी से अस्थिर हो सकती है क्योंकि लोग वायुमंडल में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड जोड़ते हैं। इसका मुख्य कारण पौधों की वृद्धि में वृद्धि है। हालाँकि, एक ग्रीनहाउस गैस और प्रदूषक, कार्बन डाइऑक्साइड भी पौधों के विकास का समर्थन करता है। जैसे-जैसे पेड़ और अन्य वनस्पतियाँ कार्बन डाइऑक्साइड से समृद्ध भविष्य में पनपती हैं, उनकी जड़ें मिट्टी में माइक्रोबियल गतिविधि को उत्तेजित कर सकती हैं जो बदले में मिट्टी के कार्बन के अपघटन को तेज कर सकती हैं और इसे कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में वायुमंडल में छोड़ सकती हैं।

Q-42. निम्नलिखित में से कौन सा उपरोक्त परिच्छेद का सबसे तार्किक परिणाम है?

(a) कार्बन डाइऑक्साइड सूक्ष्मजीवों और पौधों के अस्तित्व के लिए आवश्यक है।

(b) वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड के मुक्त होने पीछे मनुष्य पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

(c) पौधों की वृद्धि के लिए सूक्ष्मजीव और मृदा कार्बन मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

(d) हरित आवरण बढ़ने से मिट्टी में फंसा कार्बन निकल सकता है।

उत्तर- (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि लेखक बढ़े हुए कार्बन डाइऑक्साइड के प्रभाव के बारे में बात करता है और सूक्ष्मजीव कार्बन को कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तित कर सकते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड में वृद्धि से मिट्टी में फंसा कार्बन अस्थिर होना शुरू हो जाएगा। इसलिए, विकल्प (d) सही है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि यह गलत तरीके से समायोजित

करता है कि कार्बन डाइऑक्साइड सूक्ष्मजीवों और पौधों के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। विकल्प (b) गलत और चरम प्रकृति का है। विकल्प (c) फिर से गलत है क्योंकि यह अनुमान लगाता है कि पौधों की वृद्धि के लिए सूक्ष्मजीव और मिट्टी का कार्बन मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

परिच्छेद: आम तौर पर शासन और विशेष रूप से सिविल सेवाओं में जवाबदेही, या इसकी कमी, शासन और सार्वजनिक प्रशासन में कमियों का एक प्रमुख कारक है। जवाबदेही के लिए एक प्रभावी ढांचा तैयार करना सुधार एजेंडे का एक प्रमुख तत्व रहा है। एक बुनियादी मुद्दा यह है कि क्या सिविल सेवाओं को उस समय की राजनीतिक कार्यपालिका या बड़े पैमाने पर समाज के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, आंतरिक और बाह्य जवाबदेही का समाधान कैसे किया जाना चाहिए? केंद्रीय सतर्कता आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसे निकायों द्वारा आंतरिक प्रदर्शन की निगरानी, आधिकारिक पर्यवेक्षण और कार्यकारी निर्णयों की न्यायिक समीक्षा के माध्यम से आंतरिक जवाबदेही हासिल करने की मांग की जाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 और 312 सिविल सेवाओं, विशेषकर अखिल भारतीय सेवाओं को नौकरी की सुरक्षा और सुरक्षा प्रदान करते हैं। संविधान निर्माताओं ने परिकल्पना की थी कि इन सुरक्षा उपायों के प्रावधान के परिणामस्वरूप एक ऐसी सिविल सेवा होगी जो राजनीतिक कार्यपालिका के अधीन नहीं होगी बल्कि व्यापक सार्वजनिक हित में कार्य करने की ताकत होगी। इस प्रकार आंतरिक और बाह्य जवाबदेही को संतुलित करने की आवश्यकता संविधान में निर्मित की गई है। पिछले कुछ वर्षों में, उस समय के राजनीतिक नेताओं के प्रति सिविल सेवाओं की अधिक आंतरिक जवाबदेही के पक्ष में जोर दिया गया है, जो बदले में चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से बड़े पैमाने पर समाज के प्रति बाहरी रूप से जवाबदेह होने की उम्मीद करते हैं।

Q-43. परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. राजनीतिक कार्यपालिका समाज के प्रति सिविल सेवाओं की जवाबदेही में बाधा है।

2. भारतीय राजनीति के वर्तमान ढांचे में, राजनीतिक कार्यपालिका अब समाज के प्रति जवाबदेह नहीं है।

इनमें से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर-(d)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गलत है क्योंकि लेखक ने उल्लेख किया है कि एक नया विधेयक प्रस्तावित किया जा रहा है जहां पेशेवर सिविल सेवाओं और राजनीतिक कार्यकारी की संबंधित भूमिकाओं को परिभाषित किया जाना चाहिए ताकि सिविल सेवाओं का अराजनीतिकरण किया जा सके। कथन 2 गलत है क्योंकि यह कहना सही नहीं है कि राजनीतिक कार्यपालिका अब समाज के प्रति जवाबदेह नहीं है।

Q-44. निम्नलिखित में से कौन सा इस अनुच्छेद द्वारा निहित आवश्यक संदेश है?

(a) सिविल सेवाएँ उस समाज के प्रति जवाबदेह नहीं हैं जिसकी वे सेवा कर रहे हैं।

(b) शिक्षित एवं प्रबुद्ध व्यक्ति राजनीतिक नेतृत्व नहीं कर रहे हैं।

(c) संविधान निर्माताओं ने सिविल सेवाओं के सामने आने वाली समस्याओं की कल्पना नहीं की थी।

(d) सिविल सेवाओं की जवाबदेही में सुधार के लिए सुधारों की आवश्यकता और गुंजाइश है।

उत्तर-(d)

स्पष्टीकरण-विकल्प (d) सही है क्योंकि इसमें कहा गया है कि राजनेताओं द्वारा सिविल सेवाओं में आंतरिक और बाहरी जवाबदेही का संतुलन बिगाड़ दिया गया है जिससे शासन के लिए प्रतिकूल परिस्थितियाँ आ गई हैं। अत: इसमें सुधार माना जाना चाहिए और नागरिक

सेवाओं का अराजनीतिकरण किया जा सकता है। विकल्प (a),(b), और (c) अनुच्छेद द्वारा निहित आवश्यक संदेश को ग्रहण नहीं कर रहे हैं।

परिच्छेद: सामान्य तौर पर, धार्मिक परंपराएँ ईश्वर या कुछ सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों के प्रति हमारे कर्तव्य पर जोर देती हैं। एक दूसरे के प्रति हमारे कर्तव्य इन्हीं से उत्पन्न होते हैं। अधिकारों की धार्मिक अवधारणा मुख्य रूप से इस देवत्व या सिद्धांत के साथ हमारे संबंध और हमारे अन्य संबंधों पर इसके निहितार्थ से ली गई है। अधिकारों और कर्तव्यों के बीच यह पत्राचार न्याय की किसी भी आगे की समझ के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन, न्याय का अभ्यास करने के लिए; सद्गुण, अधिकार और कर्तव्य औपचारिक अमूर्त नहीं रह सकते। उन्हें एक समुदाय (साझा एकता) पर आधारित होना चाहिए जो साझे संघ (साम्य) की भावना से एक साथ बंधा हो। व्यक्तिगत गुण के रूप में भी, यह एकजुटता न्याय के अभ्यास और समझ के लिए आवश्यक है।

Q-45. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. मानवीय रिश्ते उनकी धार्मिक परंपराओं से बनते हैं।
2. मनुष्य कर्तव्य परायण तभी हो सकता है जब वह ईश्वर में विश्वास करे।
3. न्याय का अभ्यास करने और समझने के लिए धार्मिक परंपराएँ आवश्यक हैं।

इनमें से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर-(a)

स्पष्टीकरण- धारणा 1 मान्य है क्योंकि उल्लिखित अनुच्छेद में धार्मिक परंपराएँ ईश्वर के प्रति हमारे कर्तव्य पर जोर देती हैं, और कुछ नैतिक सिद्धांत हमारे कर्तव्यों को एक-दूसरे के प्रति प्रेरित करते हैं। इसी प्रकार, यह कहा जा सकता है कि मानवीय संबंध धार्मिक परंपरा से

उत्पन्न होते हैं। इस प्रकार, धारणा 1 मान्य है। धारणा 2 अपनी चरम प्रकृति के कारण अमान्य है कि मनुष्य केवल तभी कर्तव्य-बद्ध हो सकता है जब वह ईश्वर में विश्वास करता हो। तो, यह एक गलत अनुमान है. धारणा 3 अमान्य है क्योंकि यह संदर्भित करती है कि न्याय का अभ्यास करने और समझने के लिए धार्मिक परंपराएँ आवश्यक हैं।

Q-46. निम्नलिखित में से कौन सा इस परिच्छेद का सार है??

(a) एक दूसरे के प्रति हमारे कर्तव्य हमारी धार्मिक परंपराओं से उत्पन्न होते हैं।

(b) ईश्वरीय तत्व से सम्बन्ध रखना बहुत बड़ा गुण है।

(c) किसी समाज में न्याय प्रदान करने के लिए अधिकारों और कर्तव्यों के बीच संतुलन महत्वपूर्ण है।

(d) अधिकारों की धार्मिक अवधारणा मुख्य रूप से ईश्वर के साथ हमारे रिश्ते से ली गई है।

उत्तर-(c)

स्पष्टीकरण- विकल्प (c) सही है क्योंकि अनुच्छेद में हमारे अधिकारों और कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है और न्याय को समझने के लिए अधिकारों और कर्तव्यों के बीच संबंध महत्वपूर्ण है। इसलिए न्याय के लिए अधिकारों और कर्तव्यों के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। विकल्प (a) सही नहीं है क्योंकि यह बताता है कि एक दूसरे के प्रति हमारे कर्तव्य धार्मिक परंपराओं से उत्पन्न होते हैं। तो, यह गलत है. विकल्प (b) फिर से गलत है क्योंकि यह गलत तरीके से बताता है कि दैवीय सिद्धांत के साथ संबंध रखना एक महान गुण है। विकल्प (d) गलत है क्योंकि यह भगवान के साथ हमारे संबंधों से उत्पन्न धार्मिक अवधारणाओं को बताता है।

परिच्छेद: बिजली, गर्मी और परिवहन के लिए ईंधन के रूप में बायोमास में सभी नवीकरणीय स्रोतों की तुलना में सबसे अधिक शमन क्षमता है। यह कृषि और वन अवशेषों के साथ-साथ ऊर्जा फसलों से भी आता है। बायोमास अवशेषों के उपयोग में सबसे बड़ी चुनौती उचित लागत पर बिजली संयंत्र को दी जाने वाली दीर्घकालिक विश्वसनीय आपूर्ति है। प्रमुख समस्याएं लॉजिस्टिक बाधाएं और ईंधन संग्रह की लागत हैं। ऊर्जा फसलें, यदि ठीक से प्रबंधित नहीं की

जाती हैं, तो खाद्य उत्पादन के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं और खाद्य कीमतों पर अवांछनीय प्रभाव डाल सकती हैं। बायोमास उत्पादन बदलती जलवायु के भौतिक प्रभावों के प्रति भी संवेदनशील है। टिकाऊ बायोमास आपूर्ति की सीमाओं को देखते हुए, बायोमास की भविष्य की भूमिका के अनुमानों को शायद अधिक महत्व दिया गया है, जब तक कि नई प्रौद्योगिकियों से उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि न हो।

Q-47. परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. खाद्य और वन संसाधनों को बाधित किए बिना बिजली उत्पादन के लिए बायोमास का ईंधन के रूप में उपयोग करना संभव नहीं है।

2. कुछ जलवायु-ऊर्जा मॉडल सुझाव देते हैं कि बिजली उत्पादन के लिए ईंधन के रूप में बायोमास का उपयोग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है।

इनमें से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 2

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर -(b)

स्पष्टीकरण- कथन 1 अमान्य है क्योंकि वन और खाद्य संसाधनों को बाधित किए बिना जैव ईंधन उत्पन्न करना संभव है लेकिन बिजली उत्पादन का पैमाना आर्थिक रूप से अक्षम्य हो सकता है। अत: यह कथन ग़लत है। कथन 2 मान्य है जो नवीकरणीय स्रोतों के बीच जैव ईंधन को सबसे अधिक शमन क्षमता वाला बताता है। तो, जैव ईंधन विकासात्मक चरण में है और इसमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की जबरदस्त क्षमता है। इसलिए, यह कथन एक धारणा के रूप में योग्य है।

परिच्छेद: हम अपनी खाद्य आपूर्ति में जैव विविधता में खतरनाक कमी देख रहे हैं। हरित क्रांति एक मिश्रित वरदान है। समय के साथ किसान स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल

किस्मों को छोड़कर व्यापक रूप से अनुकूलित, उच्च उपज वाली फसलों पर अधिक निर्भर हो गए हैं। समान आनुवंशिक रूप से समान बीजों के साथ विशाल खेतों में मोनोक्रॉपिंग से उपज बढ़ाने और तत्काल भूख की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। फिर भी उच्च उपज वाली किस्में आनुवंशिक रूप से कमजोर फसलें हैं जिनके लिए महंगे रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों की आवश्यकता होती है। आज हम जो भोजन पैदा करते हैं उसकी मात्रा बढ़ाने पर हमारा ध्यान केंद्रित है; हमने गलती से खुद को भविष्य में भोजन की कमी के जोखिम में डाल दिया है।

Q-48. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और महत्वपूर्ण निष्कर्ष है जो उपरोक्त परिच्छेद से लगाया जा सकता है?

(a) हरित क्रांति के कारण ही हम अपनी कृषि पद्धतियों में महंगे रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भर हो गए हैं।

(b) हरित क्रांति के कारण उच्च उपज वाली किस्मों के साथ विशाल खेतों में मोनोक्रॉपिंग संभव है।

(c) उच्च उपज वाली किस्मों के साथ मोनोक्रॉपिंग लाखों लोगों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है।

(d) हरित क्रांति लंबे समय में खाद्य आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा में जैव विविधता के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

उत्तर -d)

स्पष्टीकरण-विकल्प (d) सही है जो आज भोजन की बढ़ती मात्रा पर ध्यान केंद्रित करके हरित क्रांति को एक मिश्रित आशीर्वाद के रूप में बताता है। इसलिए, यह विकल्प गद्यांश के सार को सही ढंग से दर्शाता है। विकल्प (a) गलत अनुमान लगाता है कि हरित क्रांति के कारण, हम महंगे रासायनिक उर्वरकों और जहरीले कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भर हो गए। विकल्प (b) गलत है क्योंकि यह अनुमान लगाता है कि हरित क्रांति के कारण, उच्च उपज वाली

मोनोक्रॉपिंग संभव हो गई। विकल्प (c) गलत है क्योंकि यह निष्कर्ष निकालता है कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका मोनोक्रॉपिंग है।

परिच्छेद: जंगल में बड़े झुंडों में राजहंस सामाजिक और बेहद वफादार होते हैं। वे समूह संभोग नृत्य करते हैं। माता-पिता अपने बच्चों से बहुत प्यार करते हैं, उन्हें सुरक्षा के लिए क्रेच में इकट्ठा करते हैं जबकि नर और मादा दोनों भोजन की तलाश में उड़ जाते हैं।

Q-49. निम्नलिखित में से कौन सा उपरोक्त परिच्छेद का सबसे तार्किक परिणाम है?

(a) पक्षियों की सभी प्रजातियों में सामूहिक घोंसला बनाना उनकी संतानों के पूर्ण अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

(b) केवल पक्षी ही सामाजिक व्यवहार विकसित कर सकते हैं और अपने चूजों को सुरक्षित रूप से पालने के लिए सामूहिक घोंसला बना सकते हैं।

(c) पक्षियों की कुछ प्रजातियों में सामाजिक व्यवहार असुरक्षित दुनिया में उनके अस्तित्व को और अधिक सुरक्षा प्रदान करता है।

(d) पक्षियों की सभी प्रजातियाँ अपने बच्चों को सामाजिक व्यवहार और वफादारी सिखाने के लिए पालनाघर स्थापित करती हैं।

उत्तर -(c)

स्पष्टीकरण- विकल्प (c) सही है क्योंकि यह राजहंस पक्षी के बारे में बात करता है जो व्यवहार में बहुत सामाजिक और वफादार होता है। सामाजिक होने के कारण ऐसी प्रजातियाँ अपने अस्तित्व में काफी सुरक्षा महसूस करती हैं और खतरे का सामना करने पर किसी भी अप्रत्याशित खतरे से बचती हैं। तो, विकल्प (c) सही उत्तर है। विकल्प (a) प्रकृति में चरम होने के कारण ग़लत है और पक्षियों सहित असीमित प्रजातियों के बारे में बात करता है जिनके व्यवहार पैटर्न हर समय उपयुक्त नहीं होते हैं। विकल्प (b) सही नहीं है क्योंकि न केवल पक्षी

बल्कि कई प्रजातियों का सामाजिक व्यवहार होता है। विकल्प (d) भी गलत है क्योंकि हर पक्षी क्रेच नहीं बनाता है।

परिच्छेद: बड़ी संख्या में बिना बैंक खातों वाले भारतीय नागरिक ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, वित्तीय और कार्यात्मक रूप से निरक्षर हैं, और प्रौद्योगिकी के साथ बहुत कम अनुभव रखते हैं। एक विशेष क्षेत्र में एक शोध अध्ययन आयोजित किया गया था जिसमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम योजना (MGNREGS) में इलेक्ट्रॉनिक मजदूरी भुगतान सीधे गरीबों तक जाना है। यह देखा गया कि प्राप्तकर्ता अक्सर यह मानते हैं कि ग्राम नेता को प्रक्रिया में मध्यस्थता करने की आवश्यकता है, जैसा कि पिछली पेपर-आधारित प्रणाली के तहत होता था। इस शोध अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत जिन परिवारों ने कम से कम एक बैंक खाता होने का दावा किया है, उनमें से एक तिहाई से अधिक ने बताया कि वे अभी भी गांव के नेता से सीधे नकद में मनरेगा मजदूरी प्राप्त कर रहे हैं।

Q-50. उपरोक्त परिच्छेद में सबसे तार्किक, तर्कसंगत और महत्वपूर्ण संदेश क्या निहित है?

(a) मनरेगा का लाभ केवल उन लोगों को दिया जाना चाहिए जिनके पास बैंक खाता है।

(b) वर्तमान परिदृश्य में इलेक्ट्रॉनिक भुगतान की तुलना में भुगतान की कागज-आधारित प्रणाली अधिक कुशल है।

(c) इलेक्ट्रॉनिक वेतन भुगतान का लक्ष्य ग्राम नेताओं की मध्यस्थता को समाप्त करना नहीं था।

(d) ग्रामीण गरीब ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता प्रदान करना आवश्यक है।

उत्तर -(d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि यह ग्रामीण भारत में गरीब लोगों की वित्तीय निरक्षरता का विवरण देता है। अनुच्छेद यह सुनिश्चित करता है कि ग्रामीण लोगों को वित्तीय मदों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है और मनरेगा के तहत खाताधारकों को सीधे मजदूरी

हस्तांतरित करने का कोई प्रावधान नहीं है। विकल्प (a) परिच्छेद के लिए प्रासंगिक नहीं है। विकल्प (b) और (c) केवल इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण की दक्षता के बारे में बात करते हैं और एक निहित अर्थ का अनुमान नहीं लगाते हैं।

परिच्छेद: मानव विकास को बढ़ावा देने वाले व्यक्ति, समूह और नेता मजबूत संस्थागत, संरचनात्मक और राजनीतिक बाधाओं के तहत काम करते हैं जो नीति विकल्पों को प्रभावित करते हैं। हालाँकि, अनुभव मानव विकास के लिए एक उपयुक्त एजेंडा को आकार देने के लिए व्यापक सिद्धांतों का सुझाव देता है। मानव विकास के कई दशकों के अनुभव से एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि विशेष रूप से आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना समस्याग्रस्त है। हालाँकि हमें स्वास्थ्य और शिक्षा को आगे बढ़ाने के बारे में अच्छी जानकारी है, लेकिन विकास के कारण बहुत कम निश्चित हैं और विकास अक्सर मायावी होता है। इसके अलावा, विकास पर असंतुलित जोर अक्सर नकारात्मक पर्यावरणीय परिणामों और प्रतिकूल वितरण प्रभावों से जुड़ा होता है। चीन का अनुभव, अपने प्रभावशाली विकास रिकॉर्ड के साथ, इन व्यापक चिंताओं को दर्शाता है और संतुलित दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है जो मानव विकास के गैर-आय पहलुओं में निवेश पर जोर देता है।

Q-51. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. विकासशील देशों में, मानव विकास और नीति विकल्पों के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा ही एकमात्र आवश्यकता है।

2. मानव विकास और आर्थिक वृद्धि हमेशा सकारात्मक रूप से परस्पर संबंधित नहीं होते हैं।

3. केवल मानव विकास पर ध्यान केंद्रित करना ही आर्थिक विकास का लक्ष्य होना चाहिए।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2

(d) केवल 1,2, और 3

उत्तर -(c)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गलत है क्योंकि यह परिच्छेद से संबंधित नहीं है। कथन 2 सही है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि आर्थिक वृद्धि और मानव विकास सकारात्मक रूप से समतुल्य नहीं हैं। यह आवश्यक नहीं है कि यदि आर्थिक विकास दर ऊंची होगी तो विकास भी ऊंचा होगा। तो, विकल्प (c) सही है। कथन 3 परिच्छेद के अर्थ के विपरीत है।

Q-52. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. आर्थिक असमानता में कमी सुनिश्चित करने के लिए उच्च आर्थिक विकास आवश्यक है।

2. पर्यावरण का क्षरण कभी-कभी आर्थिक विकास का परिणाम होता है।

उपरोक्त में से कौन सी वैध धारणाएं हैं/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर -(b)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गलत है क्योंकि यह आर्थिक विकास पर असंतुलित जोर देता है। कथन 2 सही है क्योंकि इससे अक्सर नकारात्मक पर्यावरणीय परिणाम और प्रतिकूल वितरण प्रभाव होते हैं। अत: यह कथन सही है।

परिच्छेद: जलवायु परिवर्तन पहले से ही दुनिया भर में कई लोगों को भूखा बना रहा है, फसल की पैदावार में बाधा डाल रहा है और कीमतें बढ़ा रहा है। और जलवायु परिवर्तन के कारण केवल भोजन ही नहीं बल्कि पोषक तत्व भी दुर्लभ होते जा रहे हैं। यह सबसे गरीब समुदाय हैं जो जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों को झेलेंगे, जिसमें बढ़ती भूख और कुपोषण भी शामिल है क्योंकि फसल उत्पादन और आजीविका को खतरा है। दूसरी ओर, गरीबी जलवायु परिवर्तन का चालक है, क्योंकि हताश समुदाय वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों के अस्थिर उपयोग का सहारा लेते हैं।

Q-53. निम्नलिखित में से कौन सा उपरोक्त परिच्छेद का सबसे तार्किक परिणाम है?

(a) सरकार को गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए अधिक धन आवंटित करना चाहिए और गरीब समुदायों के लिए खाद्य सब्सिडी बढ़ानी चाहिए।

(b) गरीबी और जलवायु प्रभाव एक-दूसरे को मजबूत करते हैं और इसलिए, हमें अपनी खाद्य प्रणालियों की फिर से कल्पना करनी होगी।

(c) दुनिया के सभी देशों को एकजुट होकर गरीबी और कुपोषण से लड़ना होगा और गरीबी को एक वैश्विक समस्या मानना होगा।

(d) हमें अस्थिर कृषि पद्धतियों को तुरंत बंद करना होगा और दूसरों के लिए खाद्य कीमतों को नियंत्रित करना होगा।

उत्तर -(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि परिच्छेद गरीबी और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध स्थापित करने का प्रयास करता है। जैसा कि परिच्छेद में कहा गया है, यह सबसे गरीब समुदाय हैं जो जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभाव झेलते हैं। तो, सबसे तार्किक परिणाम विकल्प (b) है। विकल्प (a) सही नहीं है और परिच्छेद के दायरे से परे है क्योंकि सरकार का कोई संदर्भ नहीं है कि उसे गरीब समुदायों के लिए खाद्य सब्सिडी आवंटित करनी चाहिए। विकल्प (c) और (d) गलत हैं क्योंकि दोनों अनुच्छेद से बाहर हैं।

परिच्छेद: वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट से पता चलता है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कुल ऋण और इक्विटी निवेश में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से पोर्टफोलियो निवेश की हिस्सेदारी पिछले दशक में दोगुनी होकर 12% हो गई है। इस घटना का भारतीय नीति-निर्माताओं पर प्रभाव है क्योंकि ऋण और इक्विटी बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश बढ़ रहा है। इस घटना को एक खतरे के रूप में भी चिह्नित किया गया है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के फेडरल रिजर्व की 'मात्रात्मक सहजता' नीति के आसन्न उलट होने की स्थिति में एक श्रृंखला प्रतिक्रिया में वैश्विक वित्तीय स्थिरता से समझौता कर सकता है।

Q-54. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तर्कसंगत और महत्वपूर्ण निष्कर्ष है जो उपरोक्त परिच्छेद से लगाया जा सकता है?

(a) विदेशी उभरती अर्थव्यवस्थाएँ।

(b) उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ वैश्विक वित्तीय स्थिरता को कमजोर करती हैं।

(c) भारत को भविष्य में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश स्वीकार करने से बचना चाहिए।

(d) उभरती अर्थव्यवस्थाओं को उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से झटका लगने का खतरा है।

उत्तर -(d)

स्पष्टीकरण- परिच्छेद के अनुसार विकल्प (d) सही है, वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से कुल ऋण और इक्विटी निवेश और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में पोर्टफोलियो निवेश को साझा करती है जो पिछले दशक में दोगुना होकर 12% हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के फेडरल रिजर्व की अपनी 'मात्रात्मक सहजता' नीति के आसन्न उलटफेर के अनुसार, यह एक खतरा पैदा कर सकता है जो एक श्रृंखला प्रतिक्रिया में वैश्विक वित्तीय स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तो, यह सबसे तर्कसंगत और आलोचनात्मक निष्कर्ष है। शेष विकल्प (a), (b), और (c) परिच्छेद के दायरे से परे जाते हैं।

परिच्छेद: खुले में शौच तब विनाशकारी होता है जब यह बहुत घनी आबादी वाले क्षेत्रों में किया जाता है, जहां मानव मल को फसलों, कुओं, भोजन और बच्चों के हाथों से दूर रखना असंभव

है। खुले में शौच से भूजल भी प्रदूषित होता है। बहुत से इंजेक्ट किए गए रोगाणु और कीड़े बीमारियाँ फैलाते हैं। वे शरीर को कैलोरी और पोषक तत्वों को अवशोषित करने से रोकते हैं। भारत के लगभग आधे बच्चे कुपोषित रहते हैं। उनमें से लाखों लोग रोकथाम योग्य स्थितियों से मर जाते हैं। डायरिया के कारण भारतीयों का शरीर औसतन कुछ गरीब देशों के लोगों की तुलना में छोटा हो जाता है, जहां लोग कम कैलोरी खाते हैं। कम वजन वाली माताएं अविकसित बच्चों को जन्म देती हैं जो बीमारी की चपेट में आ जाते हैं, जो अपनी पूर्ण संज्ञानात्मक क्षमता विकसित करने में विफल हो सकते हैं। पर्यावरण में छोड़े गए रोगाणु, अमीर और गरीब दोनों को समान रूप से नुकसान पहुंचाते हैं, यहां तक कि उन लोगों को भी जो शौचालय का उपयोग करते हैं।

Q-55. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष है जो उपरोक्त परिच्छेद से लगाया जा सकता है?

(a) भारत में केंद्र और राज्य सरकारों के पास प्रत्येक घर के लिए शौचालय का खर्च उठाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं।

(b) खुले में शौच भारत में सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है।

(c) खुले में शौच से भारत के कार्यबल की मानव पूंजी कम हो जाती है।

(d) सभी विकासशील देशों में खुले में शौच एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है।

उत्तर -(c)

स्पष्टीकरण- विकल्प (c) सही है क्योंकि यह खुले में शौच और इससे जुड़ी विभिन्न समस्याओं के बारे में बात करता है। इसमें कहा गया है कि इसका असर न केवल खुले में शौच करने वालों पर पड़ता है, बल्कि गरीब, अमीर और शौचालय का इस्तेमाल करने वाले लोग भी प्रभावित होते हैं। विकल्प (a) यह स्पष्ट तस्वीर प्रदान नहीं करता है कि राज्य और केंद्र सरकारें उक्त स्थिति से निपटने में सक्षम हैं या नहीं। विकल्प (b) भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या को ग़लत बताता है। विकल्प (d) विषय के लिए अप्रासंगिक है।

परिच्छेद: हम आम तौर पर लोकतंत्र के बारे में बात करते हैं लेकिन जब किसी विशेष चीज़ की बात आती है, तो हम अपनी जाति या समुदाय या धर्म से संबंधित होना पसंद करते हैं। जब तक हमें इस प्रकार का प्रलोभन रहेगा, हमारा लोकतंत्र एक नकली प्रकार का लोकतंत्र बना रहेगा। हमें एक आदमी का एक आदमी के रूप में सम्मान करने और विकास के अवसर उन लोगों तक पहुंचाने की स्थिति में होना चाहिए जो इसके हकदार हैं, न कि उन लोगों को जो हमारे समुदाय या नस्ल से हैं। पक्षपात का यह तथ्य हमारे देश में बहुत असंतोष और दुर्भावना के लिए जिम्मेदार है।

Q-56. निम्नलिखित में से कौन सा कथन उपरोक्त परिच्छेद का सबसे अच्छा सार प्रस्तुत करता है?

(a) हमारे देश में अनेक जातियों, समुदायों और धर्मों के साथ बहुत विविधता है।

(b) सभी को समान अवसर प्रदान करके ही सच्चा लोकतंत्र स्थापित किया जा सकता है।

(c) अभी तक हममें से कोई भी लोकतंत्र का मतलब नहीं समझ पाया है।

(d) हमारे लिए अपने देश में वास्तविक लोकतांत्रिक शासन स्थापित करना कभी संभव नहीं होगा।

उत्तर -(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि परिच्छेद लोकतंत्र के पाखंड के बारे में बात करता है। भारत में लोग बात तो लोकतंत्र की करते हैं लेकिन अपनी जाति, समुदाय या धर्म से जुड़े रहना पसंद करते हैं। इसलिए, विकल्प (b) सही है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि यह विविधता की बात करता है, लोकतंत्र की नहीं। विकल्प (c) गलत है क्योंकि यह बताता है कि हममें से कोई भी लोकतंत्र का अर्थ नहीं समझता है। विकल्प (d) गलत है और परिच्छेद के लिए प्रासंगिक नहीं है।

परिच्छेद: औपचारिक वित्तीय संस्थानों की अस्तित्वपरक स्थापना जो सुरक्षित, विश्वसनीय और वैकल्पिक वित्तीय साधन प्रदान करती है, बचत जुटाने में मौलिक है। बचत करने के लिए,

व्यक्तियों को बैंकों जैसे सुरक्षित और विश्वसनीय वित्तीय संस्थानों और उचित वित्तीय साधनों और उचित वित्तीय प्रोत्साहनों तक पहुंच की आवश्यकता होती है। भारत और अन्य विकासशील देशों में सभी लोगों के लिए ऐसी पहुंच हमेशा उपलब्ध नहीं होती है। बचत गरीब परिवारों को नकदी प्रवाह में अस्थिरता का प्रबंधन करने, खपत को सुचारू करने और कार्यशील पूंजी बनाने में मदद करती है। औपचारिक बचत तंत्र तक पहुंच के बिना गरीब परिवार तत्काल खर्च करने के प्रलोभन को प्रोत्साहित करते हैं।

Q-57. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. भारतीय वित्तीय संस्थान ग्रामीण परिवारों को अपनी बचत जुटाने के लिए कोई वित्तीय साधन प्रदान नहीं करते हैं।

2. उचित वित्तीय साधनों तक पहुंच की कमी के कारण गरीब परिवार अपनी कमाई/बचत खर्च कर देते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर -(b)

स्पष्टीकरण- कथन 1 गलत है क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि भारतीय वित्तीय संस्थान ग्रामीण परिवारों को उनकी बचत जुटाने के लिए कोई वित्तीय सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं। यह एक गलत कथन है क्योंकि परिच्छेद में यह उल्लेख नहीं है कि भारतीय वित्तीय संस्थान बचत तंत्र प्रदान नहीं करते हैं। कथन 2 सही है क्योंकि परिच्छेद इस बात पर जोर देता है कि

बैंक में पैसा बचाना एक सुरक्षित, विश्वसनीय और वैकल्पिक वित्तीय सुरक्षा है। ताकि, ग्रामीण लोग बैंकों में जमा करके अपना पैसा बचा सकें। अतः, कथन 2 सही है।

Q-58. अनुच्छेद में बताया गया महत्वपूर्ण संदेश क्या है?

(a) अधिक बैंक स्थापित करें।

(b) सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर बढ़ाएँ।

(c) बैंक जमा पर ब्याज दर बढ़ाएं।

(d) वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दें।

उत्तर -(d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की बात करता है जो सुरक्षित, भरोसेमंद और वैकल्पिक वित्तीय संस्थानों के उपयोग के माध्यम से बचत में जरूरी है ताकि ग्रामीण लोग बैंकों में पैसा जमा करके अपना पैसा बचा सकें और वे खर्च न करें उपभोग के रूप में उनकी बचत। विकल्प (a), (b), और (c) परिच्छेद के दायरे से परे जाते हैं।

परिच्छेद: सरकारों को ऐसे कदम उठाने पड़ सकते हैं जो अन्यथा व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा, जैसे किसी व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध उसकी भूमि का अधिग्रहण करना या इमारत बनाने की अनुमति देने से इनकार करना, लेकिन व्यापक सार्वजनिक हित के लिए ये किया जाना चाहिए लोक संसद द्वारा अधिकृत किया जाए। प्रशासन की विवेकाधीन शक्तियों को समाप्त किया जा सकता है। इस शक्ति को सीमा के भीतर रखना अधिक कठिन होता जा रहा है क्योंकि सरकार को कई कार्य करने हैं। जहां विवेक का प्रयोग करना हो, वहां उस शक्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए नियम और सुरक्षा उपाय होने चाहिए। समान और पूर्वानुमेय शक्ति के विवेकाधिकार के दुरुपयोग को रोकने के लिए नहीं तो कम करने के लिए सिस्टम तैयार करना होगा। सरकारी कार्य को मान्यता प्राप्त नियमों, सिद्धांतों और निर्णयों के ढांचे के भीतर संचालित किया जाना चाहिए।

Q-59. निम्नलिखित में से कौन सी सबसे तार्किक धारणा है जो उपरोक्त परिच्छेद से बनाई जा सकती है?

(a) प्रशासन के सभी मामलों में सरकार को हमेशा व्यापक विवेकाधीन शक्ति दी जानी चाहिए।

(b) प्राधिकार के विशेष विवेक के प्रभाव के विपरीत नियमों और सुरक्षा उपायों की सर्वोच्चता कायम रहनी चाहिए।

(c) संसदीय लोकतंत्र तभी संभव है जब सरकार के पास व्यापक विवेकाधीन शक्ति हो।

(d) इनमे से कोई भी नहीं।

उत्तर -(b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि परिच्छेद सार्वजनिक हित के लिए सरकार के कार्यों पर जोर देता है, यहां तक कि मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन करता है। ये अधिकार प्रशासन के प्रतिनिधि द्वारा स्वीकृत होते हैं वे विवेकाधीन शक्ति का उपयोग अपने अनुसार कर सकते हैं। इसलिए, विकल्प (b) सही है। जबकि विकल्प (a) और (c) गद्यांश के संदर्भ के विपरीत हैं।

परिच्छेद: भारत प्रशासित कीमतों में लगातार उच्च मुद्रास्फीति वृद्धि, मांग और आपूर्ति असंतुलन, रुपये के मूल्यह्रास से बढ़ी आयातित मुद्रास्फीति से पीड़ित है, और उच्च मुद्रास्फीति को बनाए रखने के लिए सट्टेबाजी ने संयुक्त रूप से काम किया है। यदि उन सभी में कोई समान तत्व है, तो वह यह है कि उनमें से कई आर्थिक सुधारों के परिणाम हैं। व्यापार उदारीकरण के साथ अंतरराष्ट्रीय कीमतों में बदलाव के प्रभावों के प्रति भारत की संवेदनशीलता बढ़ गई है। सब्सिडी कम करने के प्रयास के परिणामस्वरूप प्रशासित वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है।

Q-60. उपरोक्त परिच्छेद में सबसे तार्किक, तर्कसंगत और महत्वपूर्ण संदेश क्या निहित है?

(a) वर्तमान परिस्थितियों में भारत को सभी व्यापार उदारीकरण नीतियों और सभी सब्सिडी से पूरी तरह बचना चाहिए।

(b) अपनी विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक स्थिति के कारण, भारत अभी भी व्यापार उदारीकरण प्रक्रिया के लिए तैयार नहीं है।

(c) भारत में गरीबी और महंगाई जैसी समस्याओं का निकट भविष्य में कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है।

(d) आर्थिक सुधार अक्सर उच्च मुद्रास्फीति वाली अर्थव्यवस्था बना सकते हैं।

उत्तर -(d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि इसमें आर्थिक सुधारों के बारे में चर्चा है और इन विभिन्न आर्थिक समस्याओं के कारण व्यापार उदारीकरण के कारण अंतरराष्ट्रीय मूल्य परिवर्तन के प्रति भारत की संवेदनशीलता बढ़ जाती है और आर्थिक सुधारों से आम तौर पर उच्च मुद्रास्फीति होती है। अतः, विकल्प (d) सही उत्तर है। विकल्प (a), (b), और (c) परिच्छेद के दायरे से परे जाते हैं।

परिच्छेद: कोई भी अधिकार पूर्ण, अनन्य या अनुल्लंघनीय नहीं है। इसी तरह, व्यक्तिगत संपत्ति के अधिकार को भी इसकी मान्य वैधता के व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। व्यक्तिगत संपत्ति के अधिकार में स्वतंत्रता के सिद्धांत को समानता के सिद्धांत के साथ और दोनों को सहयोग के सिद्धांत के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

Q-61. उपरोक्त परिच्छेद में तर्क के प्रकाश में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सबसे ठोस स्पष्टीकरण है?

(a) व्यक्तिगत संपत्ति का अधिकार क़ानून और धर्मग्रंथों द्वारा विधिवत समर्थित एक प्राकृतिक अधिकार है।

(b) व्यक्तिगत संपत्ति चोरी और शोषण का साधन है। इसलिए व्यक्तिगत संपत्ति का अधिकार आर्थिक न्याय का उल्लंघन है।

(c) व्यक्तिगत संपत्ति का अधिकार वितरणात्मक न्याय का उल्लंघन है और सहयोग के सिद्धांत को नकारता है।

(d) आर्थिक न्याय का व्यापक विचार यह मांग करता है कि प्रत्येक व्यक्ति के संपत्ति अर्जित करने के अधिकार को दूसरों के अधिकार के साथ सामंजस्य स्थापित करना होगा।

उत्तर -(d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि कोई भी अधिकार पूर्ण, अनन्य या अनुलंघनीय नहीं है, इसलिए संपत्ति का अधिकार परिच्छेद में देखा जा सकता है। आर्थिक न्याय को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत संपत्ति को आर्थिक न्याय के समानांतर देखा जाना चाहिए। इसलिए, विकल्प (d) सही है। जबकि विकल्प (a), (b), और (c) संदर्भ से बाहर हैं।

परिच्छेद: जलवायु परिवर्तन एक जटिल नीतिगत मुद्दा है जिसका वित्त के संदर्भ में प्रमुख प्रभाव है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए की जाने वाली सभी कार्रवाइयों में अंततः लागत शामिल होती है। भारत जैसे देशों के लिए अनुकूलन और शमन योजनाओं और परियोजनाओं को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए फंडिंग महत्वपूर्ण है। अनुकूलन योजनाओं को लागू करने में धन की कमी एक बड़ी बाधा है। विकासशील देशों द्वारा अपने घरेलू शमन और अनुकूलन कार्यों को बढ़ाने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता का पैमाना और परिमाण जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के तहत बहुपक्षीय वार्ता में गहन बहस का विषय है। यह सम्मेलन वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों (GHGs) के भंडार में उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए, विकसित देशों पर वित्तीय सहायता के प्रावधान की जिम्मेदारी डालता है। कार्य की विशालता और आवश्यक धनराशि को देखते हुए, घरेलू वित्त विकासशील देशों की वर्तमान और अनुमानित जरूरतों से कम होने की संभावना है। सम्मेलन के बहुपक्षीय तंत्र के माध्यम से वैश्विक वित्त पोषण से शमन प्रयासों को वित्तपोषित करने की उनकी घरेलू क्षमता में वृद्धि होगी।

Q- 62. परिच्छेद में निम्नलिखित में से किस पर अनिवार्य रूप से चर्चा की गई है?

(a) शमन के लिए समर्थन को लेकर विकसित और विकासशील देशों के बीच संघर्ष।

(b) विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण जलवायु परिवर्तन की घटना।

(c) अनुकूलन योजनाओं को लागू करने के लिए सभी देशों में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव।

(d) जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप विकासशील देशों की शासन संबंधी समस्याएँ।

उत्तर -(a)

स्पष्टीकरण- विकल्प (a) सही है क्योंकि जलवायु परिवर्तन ने विकासशील देशों और समग्र रूप से दुनिया के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। तरीकों को कम करने और अनुकूलित करने के लिए बड़े वित्त की आवश्यकता होती है। UNFCCC, एक बहुपक्षीय निकाय विकासशील देशों को शमन विधियों के लिए वित्तपोषण करने की जिम्मेदारी विकसित देशों पर डालता है। यह विकसित और विकासशील देशों के बीच एक संघर्ष का मुद्दा बन गया है। इसलिए, विकल्प (a) सही है। शेष विकल्प (b), (c), और (d) परिच्छेद के दायरे से बाहर जाते हैं

परिच्छेद: फार्मास्युटिकल पेटेंट पेटेंट अवधि की अवधि के लिए पेटेंटधारक को सुरक्षा प्रदान करते हैं। पेटेंटधारियों को दवाओं की कीमत निर्धारित करने की स्वतंत्रता प्राप्त है, जो एकाधिकार की अवधि तक सीमित है, लेकिन जनता के लिए अप्राप्य हो सकती है। ऐसा माना जाता है कि पेटेंटधारकों को दी जाने वाली ऐसी पेटेंट सुरक्षा से जनता को नवाचारों और अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से लंबी अवधि में लाभ होगा, हालांकि इसमें पेटेंट दवा के लिए ऊंची कीमतों जैसी लागत आती है। पेटेंट- पेटेंटधारक को नवाचार और अनुसंधान में हुई लागत पर रिटर्न प्राप्त करने के लिए एक वैध तंत्र प्रदान करता है।

Q-63. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. पेटेंट धारकों को दी गई पेटेंट सुरक्षा पेटेंट दवाओं तक पहुंचने में जनता की क्रय शक्ति पर भारी बोझ डालती है।

2. फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता विकासशील और गरीब देशों के लिए एक बड़ा बोझ है।

3. कई देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति डिजाइन के दौरान जनता को सस्ती कीमतों पर दवाएं उपलब्ध कराना एक प्रमुख लक्ष्य है।

4. सरकारों को पेटेंटधारकों के अधिकारों और रोगियों की आवश्यकताओं के बीच एक उचित संतुलन खोजने की आवश्यकता है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणाएँ मान्य हैं?

(a) 1 और 2

(b) 1 और 4

(c) 3 और 4

(d) 2 और 3

उत्तर - (b)

स्पष्टीकरण- कथन 1 में सही कहा गया है कि पेटेंटधारकों को दवाओं की कीमतें निर्धारित करने की स्वतंत्रता है। कथन 2 एक ग़लत उत्तर है, यह अनुच्छेद के दायरे से बाहर है। कथन 3 भी गलत है, यह सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति, देशों के डिज़ाइन और उसके लक्ष्यों के बारे में बात नहीं करता है। कथन 4 पंक्ति के अनुसार सही है, माना जाता है कि पेटेंटधारकों को दी जाने वाली ऐसी पेटेंट सुरक्षा से नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से जनता को दीर्घकालिक लाभ होगा।

परिच्छेद: भारत को नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित और संरक्षित रखते हुए डिजिटल अर्थव्यवस्था की वृद्धि सुनिश्चित करनी चाहिए। कोई भी निगरानी-उन्मुख

वातावरण में या ऐसे स्थान पर नवाचार नहीं करेगा जहां किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी से समझौता किया जाता है। डेटा का अंतिम नियंत्रण उन व्यक्तियों के पास होना चाहिए जो इसे उत्पन्न करते हैं; उन्हें अपनी इच्छानुसार इसका उपयोग करने, प्रतिबंधित करने या मुद्रीकरण करने में सक्षम होना चाहिए। इसलिए, डेटा सुरक्षा कानूनों को सही प्रकार के नवाचार को सक्षम करना चाहिए - जो उपयोगकर्ता-केंद्रित और गोपनीयता की रक्षा करने वाला हो।

Q-64. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. निजता की सुरक्षा सिर्फ एक अधिकार नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था के लिए इसका महत्व है।

2. गोपनीयता और नवप्रवर्तन के बीच एक बुनियादी संबंध है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर - (c)

स्पष्टीकरण: कथन 1 सही है, इस पंक्ति से कि डेटा का अंतिम नियंत्रण उन व्यक्तियों के पास होना चाहिए जो इसे उत्पन्न करते हैं। उन्हें अपनी इच्छानुसार इसका उपयोग करने, प्रतिबंधित करने या मुद्रीकरण करने में सक्षम होना चाहिए। कथन 2 भी सही है, इस पंक्ति से कि कोई भी निगरानी-उन्मुख वातावरण में या ऐसे स्थान पर नवाचार नहीं करेगा जहां किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी से समझौता किया जाता है, नवाचार और गोपनीयता के

बीच सीधा संबंध स्थापित करता है, और नवाचार ऐसे वातावरण को बढ़ावा दे सकता है जहां गोपनीयता सुरक्षित है।

परिच्छेद: अनुकूलन समुद्र की दीवारों, बाढ़ अवरोधों, शहरों में तूफानी नालों और विस्थापित भूस्खलनों के लिए आश्रयों का रूप ले सकता है, भारी वर्षा के लिए स्पंज के रूप में कार्य करने के लिए आर्द्रभूमि को बहाल करना और उच्च तापमान और पानी की कमी के प्रति अधिक लचीली फसलों की किस्मों को रोपना। हालाँकि, सभी को निवेश की आवश्यकता होती है, और अधिकांश गरीब देश स्वयं आवश्यक वित्त नहीं जुटा सकते हैं। लेकिन अब तक आवश्यक नकदी में से बहुत कम राशि आई है, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों जैसी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना है, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करते हैं लेकिन लाभ भी कमाते हैं।

Q-65. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन किसके द्वारा हो सकता है?

1. भूस्खलन को रोकने में मदद के लिए वृक्षारोपण जैसे प्रकृति-आधारित समाधान चुनना।

2. उन नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जो लाभदायक हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई नहीं

उत्तर (c)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि लेखक ने प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों समाधानों के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के विभिन्न तरीकों का उल्लेख किया है। अतः यह

विकल्प सही है। कथन 2 भी सही है क्योंकि इसमें कहा गया है कि दानदाताओं ने उन नवीकरणीय परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है जो लाभदायक हैं

परिच्छेद: एक बार जब हम जीवित चीजों को गणना करने वाले एजेंटों के रूप में मानते हैं, जो अप्रत्याशित पर्यावरण के बारे में जानकारी एकत्र और संग्रहीत करते हैं, तो प्रतिकृति, अनुकूलन, एजेंसी, उद्देश्य और अर्थ जैसे विचारों को विकासवादी सुधार से नहीं, बल्कि भौतिक कानूनों के अपरिहार्य परिणामों के रूप में समझा जा सकता है। . दूसरे शब्दों में, ऐसा प्रतीत होता है कि चीज़ों के कार्य करने और कार्य करने के लिए विकसित होने की एक प्रकार की भौतिकी है। अर्थ और ध्येय को जीवित प्रणालियों की परिभाषित विशेषताएं माना जाता है जो थर्मोडायनामिक्स और सांख्यिकीय यांत्रिकी के नियमों के माध्यम से स्वाभाविक रूप से उभरते हैं।

Q-66. निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद के सार को सबसे अच्छे ढंग से दर्शाता है?

(a) प्रतिकृति, अनुकूलन, एजेंसी, उद्देश्य और अर्थ को विकासवादी सुधार से उत्पन्न समझा जाना चाहिए।

(b) अर्थ और ध्येय को सही ढंग से जीवित प्रणालियों की परिभाषित विशेषताएं माना जाता है।

(c) जीवित वस्तुएँ अप्रत्याशित वातावरण के बारे में जानकारी एकत्र करने और संग्रहीत करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं हैं।

(d) भौतिक कानूनों का उपयोग जीवित चीजों की क्षमताओं और विचारों को समझाने के लिए किया जा सकता है, जिसमें उनका अर्थ और ध्येय भी शामिल है।

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- प्रतिकृति, अनुकूलन, एजेंसी, उद्देश्य और अर्थ जैसी जीवित प्रणालियों के कामकाज को समझने में भौतिकी और भौतिक कानूनों के महत्व के कारण विकल्प (d) सही है। विकल्प (a) गलत है, अनुच्छेद चर्चा करता है कि क्या होता है जब हम जीवित चीजों को

गणना करने वाले एजेंटों के रूप में मानते हैं विकल्प (b) गलत है लेखक अर्थ और इरादे के बारे में बात करता है, जिन्हें जीवित प्रणालियों की परिभाषित विशेषताएं माना जाता है। विकल्प (c) सही सूट नहीं है क्योंकि लेखक का मानना है कि जीवित प्रणालियों को काफी शक्तिशाली समझा जा सकता है।

परिच्छेद: अनिवार्य लाइसेंसिंग मानदंडों के तहत कैंसर की दवाओं की कीमतों में नाटकीय रूप से गिरावट आ रही है। भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा अपना पहला अनिवार्य लाइसेंस आदेश दिए जाने के बाद स्विस कंपनी रोश होल्डिंग एजी और स्थानीय दवा निर्माता सिप्ला लिमिटेड ने अपने पांच उच्च लागत वाले ऑन्कोलॉजी ब्रांडों की कीमतों में भारी कटौती करने का फैसला किया है। बायर अगर नेक्सावर के लिए अपनी कीमत कम करेगा, लेकिन बाजार को जल्द ही कटौती की उम्मीद है, एक उद्योग विश्लेषक ने कहा।

Q-67. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत अनुमान है जो उपरोक्त परिच्छेद से लगाया जा सकता है?

(a) यह हमेशा बाजार की प्रतिस्पर्धा है जिसके कारण दवाओं की कीमतों में भारी गिरावट आती है।

(b) अनिवार्य लाइसेंसिंग आदेश दिए जाने से पहले भी कैंसर की दवाओं की कीमतें बहुत अधिक नहीं थीं और सभी रोगियों के लिए सस्ती थीं।

(c) अनिवार्य लाइसेंस दिए जाने के बाद कीमतों में गिरावट, पेटेंट धारक जर्मन फर्म को दिवालिया बना देगी।

(d) कुछ घरेलू स्थितियाँ सरकारी कार्रवाइयों की गारंटी दे सकती हैं जो मुक्त-बाज़ार अर्थव्यवस्था की धारणाओं के विपरीत हैं।

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है क्योंकि भारत द्वारा एक घरेलू कंपनी को एक जर्मन कंपनी द्वारा पेटेंट की गई दवा बेचने का आदेश देने के बाद कैंसर की दवाओं की कीमतों में नाटकीय

रूप से गिरावट आ रही है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि अनुच्छेद में ऑन्कोलॉजी दवाओं के मामले का उल्लेख किया गया है जिनकी अनिवार्य लाइसेंस आदेश के कारण कीमत में कटौती हुई है। विकल्प (b) गलत है क्योंकि परिच्छेद से पता चलता है कि अनिवार्य लाइसेंसिंग आदेश के बाद कैंसर की दवाओं की कीमतों में गिरावट आई है जो खरीदार के लिए बहुत अधिक लागत नहीं है। विकल्प (c) सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद केवल दवाओं की कीमतों में नाटकीय रूप से गिरावट के बारे में बात करता है।

परिच्छेद: निरंतर मृदा क्षरण भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बना हुआ है। फिर भी, वैश्विक मृदा क्षरण आकलन गुणात्मक विशेषज्ञ निर्णयों या दूर से समझे जाने वाले मात्रात्मक प्रॉक्सी मूल्यों पर आधारित होते हैं जो जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्याप्त हैं लेकिन उचित टिकाऊ भूमि प्रबंधन हस्तक्षेपों की पहचान करने के लिए बहुत मोटे हैं। चीन और उप-सहारा अफ्रीका में अध्ययन फसल उत्पादन पर गिरावट के महत्वपूर्ण प्रभाव को दर्शाते हैं, लेकिन स्थान-विशिष्ट कृषि-पारिस्थितिकी स्थितियों और कृषि प्रणालियों पर निर्भर समाधानों की आवश्यकता की ओर भी इशारा करते हैं। उत्पादन पारिस्थितिक दृष्टिकोण और रिमोट सेंसिंग के आधार पर विभिन्न पैमानों को जोड़ते हुए मिट्टी के क्षरण की सीमा और प्रभाव दोनों का बेहतर आकलन करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का विकास संभव होना चाहिए ताकि क्षरण के प्राकृतिक और मानव-प्रेरित कारणों को सुलझाया जा सके। गिरावट को सफलतापूर्वक रोकने या कम करने के लिए कड़ी मेहनत से प्राप्त स्थान-विशिष्ट हस्तक्षेपों को सूचीबद्ध करने वाला एक साझा सामान्य ज्ञान आधार आवश्यक है।

Q-68. उपरोक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. भविष्य में भूख से लड़ने के लिए मृदा संरक्षण की आवश्यकता है।

2. मिट्टी का वर्तमान मूल्यांकन भूमि के संरक्षण के लिए पर्याप्त जानकारी प्रदान नहीं करता है।

3. चीन में मृदा संरक्षण समाधान अफ्रीकी या अमेरिकी देशों में लागू हो भी सकते हैं और नहीं भी, और इसका विपरीत भी।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1, 2 और 3

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण-कथन 1 सही है कि राज्यों में निरंतर मृदा क्षरण भविष्य में खाद्य सुरक्षा (भुखमरी) के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। कथन 2 सही है क्योंकि वैश्विक मृदा क्षरण आकलन गुणात्मक विशेषज्ञ निर्णयों या दूर से महसूस किए गए मात्रात्मक प्रॉक्सी मूल्यों पर आधारित होते हैं। कथन 3 मान्य है क्योंकि चीन और उप-सहारा अफ्रीका में अध्ययन स्थान-विशिष्ट पारिस्थितिक स्थितियों और कृषि प्रणालियों पर निर्भर समाधानों के लिए फसल उत्पादन पर गिरावट के काफी प्रभाव को दर्शाते हैं।

परिच्छेद: नए शोध के अनुसार, जलवायु परिवर्तन शमन के लिए एक महत्वपूर्ण समाधान 2030 तक अधिक सुलभ हो सकता है, जिसमें कार्बन कैप्चर क्षमता छह गुना बढ़ने की उम्मीद है। कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन और स्टोरेज (CCUS) पेट्रोकेमिकल और सीमेंट जैसे हार्ड-टू-एबेट क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज करने और कैप्चर उपकरण से सुसज्जित गैस संयंत्रों के माध्यम से 24/7 स्वच्छ बिजली प्रदान करने के लिए आवश्यक एक प्रमुख तकनीक है। अनुसंधान कंपनी ब्लूमबर्ग NEF की एक रिपोर्ट के अनुसार, आज कैप्चर की जा रही CO2 की मात्रा 43 मिलियन टन या वैश्विक उत्सर्जन का 0.1 प्रतिशत है। शोध रिपोर्ट के अनुसार, आज, अधिकांश कैप्चर क्षमता का उपयोग प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण संयंत्रों से कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) एकत्र करने और बढ़ी हुई तेल वसूली के लिए किया जाता है। 2030 तक, अधिकांश कैप्चर क्षमता का उपयोग बिजली क्षेत्र के लिए, कम कार्बन हाइड्रोजन और अमोनिया के

निर्माण के लिए या औद्योगिक स्रोतों से उत्सर्जन को कम करने के लिए किया जाएगा। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कैप्चर किए गए CO_2 का गंतव्य भी यथास्थिति से महत्वपूर्ण परिवर्तन के कारण है। 2021 में, कैप्चर किए गए CO_2 का लगभग 73 प्रतिशत उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति कार्यों में चला गया। 2030 तक, गहरे भूमिगत CO_2 का भंडारण, CO_2 के प्राथमिक गंतव्य के रूप में तेल पुनर्प्राप्ति को पीछे छोड़ देगा, जिसमें से 66 प्रतिशत समर्पित भंडारण स्थलों पर जाएगा। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कैप्चर किए गए CO_2 का गंतव्य भी यथास्थिति से महत्वपूर्ण परिवर्तन के कारण है। यह परिवर्तन कानून द्वारा संचालित किया जा रहा है जो CO_2 उपयोग पर भंडारण को प्रोत्साहित करता है और उन परियोजनाओं द्वारा जिनका उद्देश्य कार्बन कैप्चर और स्टोरेज (CCS) को डीकार्बोनाइजेशन मार्ग के रूप में उपयोग करना है और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए CO_2 को संग्रहीत करना होगा।

Q-69. निम्नलिखित में से कौन सा/से सबसे अधिक तर्कसंगत और तार्किक अनुमान है/हैं जो परिच्छेद से निकाला जा सकता है?

1. जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए नीति-निर्माण एक उपयोगी साधन हो सकता है।

2. सरकारी अधिकारियों का दावा है कि दुनिया के CO_2 उत्सर्जन का बमुश्किल 0.1% ही अब नियंत्रित किया जा रहा है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई नहीं

उत्तर (a)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही है क्योंकि अनुच्छेद में उल्लेख किया गया है कि 2030 तक बढ़ी हुई तेल वसूली के लिए कैप्चर किए गए CO2 का उपयोग कैसे किया जाएगा। अनुच्छेद का तात्पर्य है कि नीति-निर्माण का उपयोग कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए किया जा सकता है और इस तरह जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिल सकती है। अतः यह सही विकल्प है। कथन 2 गलत है क्योंकि ब्लूमबर्ग NEF ने दावा किया है कि आज CO2 के वैश्विक उत्सर्जन का 0.1% सरकार द्वारा नहीं, बल्कि सरकार द्वारा कब्जा किया जा रहा है, इसलिए, यह सही कथन नहीं है।

Q-70. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. कार्बन कैप्चर क्षमता में वृद्धि से कार्बन उत्सर्जन में 10% से अधिक की कमी आएगी।

2. इसी तर्ज पर मीथेन कैप्चर की भी योजना बनाई जा रही है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- कथन 1 सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद में कहा गया है कि कार्बन कैप्चर क्षमता 6 गुना बढ़ने की उम्मीद है। अभी यह 0.1% है और यह बढ़कर लगभग 0.6% हो जाएगा। कथन 2 सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद में मीथेन कैप्चर का कोई उल्लेख नहीं है, इसलिए यह एक गलत कथन है।

परिच्छेद: अनुसंधान को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालय के कार्यों में से एक है। समकालीन विश्वविद्यालयों ने अनुसंधान को प्रोत्साहित किया है, न केवल उन मामलों में जहां अनुसंधान आवश्यक है, बल्कि सभी प्रकार के पूरी तरह से अलाभकारी विषयों पर भी। वैज्ञानिक

अनुसंधान संभवतः कभी भी पूरी तरह से मूल्यहीन नहीं होता है। यह कितना भी मूर्खतापूर्ण और महत्वहीन लगे, शोधकर्ताओं का काम कितना भी यांत्रिक और मूर्खतापूर्ण क्यों न हो, इस बात की संभावना हमेशा बनी रहती है कि परिणाम प्रतिभा के अन्वेषक के लिए मूल्यवान हो सकते हैं, जो प्रेरणाहीन लेकिन मेहनती शोधकर्ताओं द्वारा उनके लिए एकत्र किए गए तथ्यों का उपयोग कर सकते हैं। कुछ उपयोगी सामान्यीकरण का आधार। लेकिन जहां अनुसंधान मौलिक नहीं है, बल्कि मौजूदा सामग्रियों की पुनर्व्यवस्था मात्र में शामिल है, जहां इसकी वस्तुएं वैज्ञानिक नहीं बल्कि साहित्यिक या ऐतिहासिक हैं, तो पूरे व्यवसाय के निरर्थक हो जाने का जोखिम है।

Q-71. परिच्छेद का सर्वोत्तम सार क्या है?

(a) एक बुद्धिमान अन्वेषक के लिए बहुत से शोध परिणाम मूल्यवान नहीं हो सकते।

(b) एक बुद्धिमान अन्वेषक के लिए एक शोध परिणाम हमेशा मूल्यवान होता है।

(c) कोई भी शोध परिणाम एक बुद्धिमान अन्वेषक के लिए मूल्यवान हो सकता है।

(d) एक बुद्धिमान अन्वेषक के लिए एक शोध परिणाम हमेशा कुछ मूल्य का होना चाहिए।

उत्तर (c)

स्पष्टीकरण- विकल्प (c) सही है क्योंकि पंक्ति में 'वैज्ञानिक अनुसंधान संभवतः कभी भी पूरी तरह से मूल्यहीन नहीं होता है' इसलिए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि कोई भी परिणाम मूल्यवान हो सकता है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि लेखक इस बात पर चर्चा नहीं करता है कि एक बुद्धिमान अन्वेषक के लिए कितने परिणाम महत्वपूर्ण हैं। विकल्प (b) सही नहीं है क्योंकि लेखक एक परिदृश्य प्रदान करता है जहां शोध कभी-कभी निरर्थक हो सकता है जब शोध मूल नहीं होता है या यह साहित्यिक चोरी या संदर्भ से बाहर होता है। विकल्प (d) गलत है क्योंकि परिच्छेद यह नहीं बताता है कि शोध बुद्धिमान अन्वेषक के लिए कुछ मूल्य का होना चाहिए।

परिच्छेद: बाढ़ और सूखे की समस्याओं को सबसे अच्छे तरीके से कैसे संबोधित किया जा सकता है ताकि नुकसान कम से कम हो और प्रणाली लचीली हो जाए? इस संदर्भ में, एक महत्वपूर्ण बात जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है वह यह है कि भारत को 120 दिनों (जून से सितंबर) के दौरान "बहुत अधिक" (वार्षिक वर्षा का लगभग 75%) पानी मिलता है और शेष 245 दिनों के लिए "बहुत कम" पानी मिलता है। इस विषम जल उपलब्धता को वर्ष भर इसकी खपत के लिए प्रबंधित और विनियमित करना होगा।

Q-72. निम्नलिखित में से कौन सा व्यावहारिक, तर्कसंगत और तार्किक अनुमान को सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है?

(a) देश भर में विशाल कंक्रीट भंडारण टैंक और नहरों का निर्माण

(b) फसल पैटर्न और कृषि पद्धतियों को बदलना

(c) देश भर में नदियों को आपस में जोड़ना

(d) बांधों के माध्यम से पानी का बफर स्टॉकिंग और जलभरों को रिचार्ज करना

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही है, बांधों के माध्यम से पानी का बफर स्टॉकिंग है और जलभृतों को रिचार्ज करने का मतलब होगा कि अतिरिक्त पानी व्यावहारिक और लागत प्रभावी ढंग से संग्रहीत किया जा रहा है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि देश भर में विशाल कंक्रीट भंडारण टैंक और नहरों का निर्माण किया जा रहा है। इसलिए, यह परिच्छेद का अनुसरण नहीं करता है और इसके दायरे से परे चला जाता है। विकल्प (b) गलत है क्योंकि फसल पैटर्न और खेती के तरीकों को बदलने से व्यावहारिक जल प्रबंधन नहीं हो पाएगा क्योंकि अतिरिक्त पानी का अभी भी उपयोग नहीं किया जा सकता है या जो प्रवाहित होगा उसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। विकल्प (c) गलत है क्योंकि नदियों को आपस में जोड़ना इससे जुड़ी स्थिरता के कारण एक विवादास्पद मुद्दा है।

परिच्छेद: 16वीं सदी के अंत में स्पेनिश जहाज सबसे पहले आलू के कंद को दक्षिण अमेरिका से यूरोप लाए, जिससे 19वीं सदी की शुरुआत में, यह अनाज की फसलों के लिए एक विश्वसनीय बैकअप बन गया, खासकर आयरलैंड की ठंडी, बारिश से लथपथ मिट्टी में। आयरिश लोग जल्द ही अपने मुख्य भोजन के रूप में लगभग पूरी तरह से आलू पर निर्भर हो गए। और वे मुख्य रूप से एक विलक्षण किस्म, 'लम्पर' आलू लगा रहे थे, जिसकी आनुवंशिक कमजोरी कवक 'फाइटोफ्थोरा इंफेक्टेंट्स' द्वारा क्रूरतापूर्वक उजागर की जाएगी। 1845 में, घातक कवक के बीजाणु पूरे देश में फैलने लगे, जिससे इसके रास्ते में आने वाले लगभग सभी लम्पर्स नष्ट हो गए। परिणामी अकाल ने लाखों लोगों को मार डाला या विस्थापित कर दिया।

Q-73. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद के आलोचनात्मक संदेश को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) किसी भी विदेशी पौधे को किसी देश में लाने के लिए उस देश की मिट्टी और जलवायु परिस्थितियाँ उपयुक्त होनी चाहिए।

(b) किसी देश के मुख्य भोजन के रूप में, आलू जैसी कंदीय फसलें अनाज की फसलों की जगह नहीं ले सकती हैं।

(c) पौधों के कुछ कवक संक्रमणों को बड़े क्षेत्रों में फैलने से रोका या रोका नहीं जा सकता है।

(d) एक सजातीय खाद्य स्रोत पर निर्भर रहना वांछनीय नहीं है।

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही उत्तर है क्योंकि अनुच्छेद एक ऐसे परिदृश्य को दर्शाता है जहां मुख्य भोजन का विविधीकरण गायब है जिसने देश को कवक और विकल्पों के अभाव में उजागर किया है। विकल्प (a) गलत है क्योंकि यह सर्वोत्तम आलोचनात्मक संदेश नहीं हो सकता। विकल्प (b) में कहा गया है कि किसी देश के मुख्य भोजन के रूप में, कंदीय फसलें आलू अनाज की फसलों की जगह नहीं ले सकती हैं। विकल्प (c) मानता है कि बड़े क्षेत्रों में फैलने वाले पौधों के फंगल संक्रमण को रोका या रोका नहीं जा सकता है।

परिच्छेद: भारत एक समय सबसे तेजी से बढ़ती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और दुनिया में कुपोषित बच्चों की सबसे बड़ी संख्या का घर है। ऐसे क्षेत्र हैं जहां कुपोषण अपवाद नहीं बल्कि सामान्य बात है। देश भर में, हर साल अपने पांचवें जन्मदिन से पहले मरने वाले लगभग 13 लाख बच्चों में से आधे की मौत का कारण कुपोषण है। यहां तक कि जो बच्चे जीवित बच जाते हैं वे भी स्थायी रूप से उस क्षति से पीड़ित होते हैं जो पर्याप्त मात्रा में सही भोजन और पोषक तत्व न मिलने के कारण उनके शरीर और दिमाग को पहले ही हो चुकी होती है। 5 वर्ष से कम उम्र के लगभग 44 मिलियन बच्चे अविकसित हैं। इससे उनके लिए स्कूल में सीखना और बाद में वयस्कों के रूप में जीविका अर्जित करना कठिन हो जाता है। उनकी जीवन भर की कमाई क्षमता उनके स्वस्थ साथियों की तुलना में लगभग एक चौथाई कम है।

Q-74. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन सा/से सबसे तर्कसंगत और व्यावहारिक निहितार्थ/निहितार्थ है/हैं?

1. भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली की निगरानी केंद्र सरकार द्वारा की जानी चाहिए।

2. लड़कियों को देर से शादी और पहली बार गर्भधारण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए

3. माताओं को अपने बच्चों को जन्म के तुरंत बाद स्तनपान कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

4. सभी को सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति और उचित स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।

5. अधिकारियों को निर्धारित अनुसार टीकाकरण सुनिश्चित करना चाहिए।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें

(a) 1, 2, 3 और 4

(b) 2, 3, 4 और 5

(c) केवल 1

(d) केवल 3 और 5

उत्तर (b)

स्पष्टीकरण- विकल्प (b) सही है क्योंकि कथन 1 सही नहीं है क्योंकि केवल पीडीएस प्रणाली की निगरानी से बेहतर बाल पोषण नहीं होगा। कथन 2 सही है क्योंकि यह माँ और बच्चे के स्वास्थ्य से संबंधित है। कथन 3 सही है क्योंकि माँ में इम्युनोग्लोबुलिन होता है जो एक निश्चित प्रकार का प्रोटीन होता है जो माँ को अपने बच्चे को प्रतिरक्षा प्रदान करने की अनुमति देता है। कथन 4 सही है क्योंकि यूनिसेफ के अनुसार, भारत में 50 प्रतिशत से भी कम आबादी को सुरक्षित रूप से प्रबंधित पीने का पानी उपलब्ध है। कथन 5 सही है क्योंकि परिच्छेद उचित पोषण की कमी और संबंधित बीमारियों के कारण बच्चों के खराब स्वास्थ्य का भी संकेत देता है।

परिच्छेद: भारत में, अधिकारी हमेशा मानसून के मौसम के दौरान जलाशयों में अधिकतम मात्रा में पानी जमा करने पर ध्यान देते हैं, जिसका उपयोग गर्मी के महीनों के दौरान सिंचाई और बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत प्रथा है कि मानसून के मौसम की शुरुआत से पहले जलाशय का जल स्तर एक निश्चित स्तर से नीचे रखा जाना चाहिए। ऐसा इसलिए है ताकि जब मानसून की बारिश हो तो अतिरिक्त वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए जगह हो और पानी को नियमित तरीके से छोड़ा जा सके। हालाँकि, अधिक बिजली उत्पादन और सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी मानसून समाप्त होने से पहले ही जलाशयों में अधिकतम मात्रा में पानी जमा कर लेते हैं।

Q-75. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. जलाशयों में अधिकतम पानी रखने में शामिल उच्च जोखिम जलविद्युत परियोजनाओं पर हमारी अत्यधिक निर्भरता के कारण हैं।

2. बांधों की भंडारण क्षमता का उपयोग मानसून के मौसम से पहले या उसके दौरान पूरी तरह से नहीं किया जाना चाहिए।

3. भारत में बाढ़ नियंत्रण में बांधों की भूमिका को कम आंका जाता है।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण- विकल्प (d) सही उत्तर है क्योंकि प्रश्न वैध मान्यताओं के बारे में पूछता है। इसलिए, सभी 3 धारणाएँ मान्य हैं क्योंकि कथन 1 और 3 बाँध और पानी के प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय प्रथा के साथ चलते हैं, और कथन 2 मान्य है क्योंकि पूरा अनुच्छेद एक ही विषय पर केंद्रित है।

परिच्छेद: ऐतिहासिक रूप से, गैर-वृक्ष भूमि पर पेड़ों की स्थापना सरकारों द्वारा वनीकरण और पुनर्वनीकरण के माध्यम से की गई है। ये रणनीति अब बदल गई है. वनों की कटाई और नष्ट हुए वन परिदृश्यों में पारिस्थितिक प्रदर्शन को बहाल करने और मानव कल्याण को बढ़ाने की प्रक्रिया अब वन परिदृश्य बहाली पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

Q-76. निम्नलिखित में से कौन सा सबसे तार्किक और तर्कसंगत अनुमान है जो उपरोक्त परिच्छेद से लगाया जा सकता है?

(a) वनों की कटाई के बारे में सरकार ने भूमि की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति में बदलाव किया।

(b) सरकार भारत में वन क्षेत्र को बढ़ाना चाहती है।

(c) वन परिदृश्य बहाली पर सरकार का ध्यान उसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण है।

(d) गैर-वृक्षीय भूमि पर वृक्ष स्थापित करने की पिछली रणनीति विफल रही थी।

उत्तर - (a)

स्पष्टीकरण-विकल्प (a) सही है क्योंकि यह पारिस्थितिक कार्यक्षमता को पुनः प्राप्त करने और वनों की कटाई और नष्ट हुए वन परिदृश्यों में मानव कल्याण में सुधार की प्रक्रिया पर केंद्रित है। विकल्प (b) सही नहीं है क्योंकि परिच्छेद में यह कहीं नहीं दिया गया है कि वन परिदृश्य बहाली वन आवरण के तहत क्षेत्र को बढ़ाने के लिए है। विकल्प (c) गलत है क्योंकि अनुच्छेद में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि सरकार ने अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए अपनी रणनीति बदल दी है। विकल्प (d) गलत है क्योंकि यह विकल्प परिच्छेद के दायरे से बाहर है।

स्पष्टीकरण: विकल्प (a) सही है क्योंकि यह पारिस्थितिक कार्यक्षमता को बहाल करने और अपमानित और साफ किए गए वन वातावरण के भीतर मानव कल्याण को बढ़ाने की प्रक्रिया पर जोर देता है। परिच्छेद में वन परिदृश्य बहाली के माध्यम से वनों से आच्छादित क्षेत्र को बढ़ाने का कोई उल्लेख नहीं है। विकल्प (b) गलत है क्योंकि अनुच्छेद यह नहीं दर्शाता है कि सरकार ने अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए अपने दृष्टिकोण को संशोधित किया है। इसलिए, विकल्प (c) असत्य है। विकल्प (d) परिच्छेद के दायरे से बाहर है और बाहर चला जाता है।

परिच्छेद: भारत में आर्थिक उदारीकरण को बड़े पैमाने पर लोगों की आर्थिक प्राथमिकताओं या दीर्घकालिक विकास उद्देश्यों के बजाय सरकार की आर्थिक समस्याओं द्वारा आकार दिया गया था। इस प्रकार, अवधारणा और डिज़ाइन में सीमाएँ थीं जिन्हें बाद में अनुभव द्वारा मान्य किया गया है। आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के बाद से बेरोज़गारी वृद्धि, लगातार गरीबी और बढ़ती असमानता समस्याएँ बनकर उभरी हैं। इन सभी वर्षों के बाद, अर्थव्यवस्था

के सामने चार शांत संकट आए; कृषि, बुनियादी ढाँचा, औद्योगीकरण और शिक्षा देश की संभावनाओं पर बाधाएँ हैं। इन समस्याओं का समाधान कर आर्थिक विकास को कायम रखना होगा और सार्थक विकास में बदलना होगा।

Q-77. उपरोक्त परिच्छेद के संबंध में, निम्नलिखित धारणाएँ बनाई गई हैं:

1. बड़ी संख्या में नौकरियाँ पैदा करने और अपनी विकास गति को बनाए रखने के लिए भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है।

2. आर्थिक उदारीकरण से बड़े पैमाने पर आर्थिक विकास होगा जिससे गरीबी कम होगी और लंबे समय में पर्याप्त रोजगार पैदा होगा।

उपरोक्त में से कौन सी धारणा मान्य है/हैं??

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर (d)

स्पष्टीकरण - कथन 1 ग़लत है क्योंकि लेखक का कहना है कि आर्थिक उदारीकरण शुरू होने के बाद से बेरोज़गारी वृद्धि, लगातार गरीबी और बढ़ती असमानता समस्याएँ बन गई हैं। कथन 2 सही नहीं है क्योंकि निरंतर आर्थिक विकास सार्थक विकास में बदल गया है, न कि आर्थिक उदारीकरण से गरीबी कम होगी और लंबे समय में पर्याप्त रोजगार पैदा होगा।

परिच्छेद: एक आर्थिक संगठन में, मानव जाति को मशीनों की उत्पादकता से लाभ उठाने की अनुमति देने से आराम का एक बहुत अच्छा जीवन जीना चाहिए, और जिनके पास बुद्धिमान गतिविधियाँ और रुचियाँ हैं, उन्हें छोड़कर बहुत सारा अवकाश उबाऊ हो सकता है। यदि एक अवकाश प्राप्त आबादी को खुश रहना है, तो उसे एक शिक्षित आबादी होनी चाहिए और उसे

आनंद के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान की प्रत्यक्ष उपयोगिता की दृष्टि से शिक्षित किया जाना चाहिए।

Q- 78. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गद्यांश के अंतर्निहित स्वर को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) केवल शिक्षित जनसंख्या ही आर्थिक प्रगति के लाभों का सर्वोत्तम उपयोग कर सकती है।

(b) सभी आर्थिक विकास का उद्देश्य अवकाश का सृजन करना होना चाहिए।

(c) किसी देश की शिक्षित जनसंख्या में वृद्धि से वहां के लोगों की खुशहाली में वृद्धि होती है।

(d) एक बड़ी अवकाशप्राप्त जनसंख्या तैयार करने के लिए मशीनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उत्तर - (a)

स्पष्टीकरण- विकल्प (a) सही है और स्पष्ट रूप से परिच्छेद के स्वर को रेखांकित करता है क्योंकि एक शिक्षित आबादी आर्थिक प्रगति के लाभों का सर्वोत्तम उपयोग कर सकती है। विकल्प (b) सही नहीं है क्योंकि यह कहना गलत है कि सभी आर्थिक विकास का उद्देश्य अवकाश का सृजन करना होना चाहिए। विकल्प (c) गलत है और गलत तरीके से मान लिया गया है कि मौज-मस्ती करने वाली आबादी को खुश रहना है। विकल्प (d) गलत है, क्योंकि यह चर्चा करता है कि बड़ी अवकाश प्राप्त आबादी बनाने में मशीनों का उपयोग एक प्रमुख कारक नहीं हो सकता है।

परिच्छेद: लगभग एक शताब्दी से अधिकांश मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धिमत्ता के एक ही दृष्टिकोण को अपनाया है। व्यक्ति कम या ज्यादा बुद्धि क्षमता (I.Q.) के साथ पैदा होते हैं, यह क्षमता आनुवंशिकता से काफी प्रभावित होती है और इसे बदलना मुश्किल होता है; माप के विशेषज्ञ किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता का निर्धारण उसके जीवन के आरंभ में ही कर सकते हैं, वर्तमान में कागज और पेंसिल के माप से, शायद अंततः मस्तिष्क की क्रिया की जांच करके या यहां तक कि उसके जीनोम की जांच करके भी। हाल ही में, इस पारंपरिक ज्ञान की

आलोचना बढ़ गई है। जीवविज्ञानी पूछते हैं कि क्या "बुद्धि" नामक एकल इकाई की बात करना सुसंगत है और मनुष्यों में किसी विशेषता की आनुवंशिकता का अनुमान लगाने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपायों की वैधता पर सवाल उठाते हैं, जो पौधों या जानवरों के विपरीत, नियंत्रित परिस्थितियों में कल्पना और प्रजनन नहीं करते हैं।

Q-79. नीचे दिए गए परिच्छेद के बाद चार वैकल्पिक सारांश दिए गए हैं। वह विकल्प चुनें जो अनुच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता हो।

(a) जीवविज्ञानियों ने लंबे समय से चले आ रहे इस दृष्टिकोण पर सवाल उठाया है कि 'बुद्धिमत्ता' एक एकल इकाई है और इसकी आनुवंशिकता का अनुमान लगाने के प्रयासों पर भी सवाल उठाया है।

(b) जीवविज्ञानियों ने किसी व्यक्ति की मापने योग्य अपरिवर्तनीय विशेषता के रूप में 'बुद्धि' के बारे में मनोवैज्ञानिकों के दृष्टिकोण पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है।

(c) जीवविज्ञानियों ने इस दृष्टिकोण पर सवाल उठाया है कि 'बुद्धि' एक एकल इकाई है और जो विरासत में मिलता है वह कैसे होता है।

(d) जीवविज्ञानियों ने इस पारंपरिक ज्ञान की आलोचना की है कि व्यक्ति कम या ज्यादा बुद्धि क्षमता के साथ पैदा होते हैं।

उत्तर - (a)

स्पष्टीकरण- विकल्प (a) सही है और सभी शब्दों को सटीक रूप से दर्शाता है। यह परिच्छेद बुद्धिमता और उसकी आनुवंशिकता के बारे में बात करता है, और इसके विरुद्ध आलोचना शुरू हो गई है। विकल्प (b) में कहानी का आनुवंशिकता वाला हिस्सा छूट गया है। विकल्प (c) में बुद्धि विरासत में मिलने के तरीकों के बारे में बहस का गलत उल्लेख किया गया है। विकल्प (d) में आनुवंशिकता का महत्वपूर्ण विचार भी शामिल नहीं है।

परिच्छेद: अत्यधिक लोकतंत्र की बेड़ियों से उन जगहों पर भागने की बढ़ी हुई क्षमता जो एक मजबूत शासन के तहत अच्छी तरह से नियंत्रित हैं, जहां पर्यावरण नियमों पर सभी मंजूरी

उपलब्ध हैं, ढीली हैं, मजदूरी कम है, श्रम मानक कमजोर हैं, और असहमति का जवाब दिया जाता है लोहे की मुट्ठी से. यह तब तक पूरी तरह से काम कर रहा था जब तक कि इसका प्रभाव पश्चिमी लोकतंत्रों के तटों तक नहीं पहुंच गया। अब पश्चिम इस चुनौती के प्रति जाग रहा है और G7 का कदम संकट की स्वीकृति है।

Q-80. निम्नलिखित में से कौन सा कथन परिच्छेद के सार को सबसे अच्छी तरह दर्शाता है?

(a) कमजोर नियमों से उत्पन्न समस्याओं के अब वैश्विक प्रभाव हो रहे हैं।

(b) अधिनायकवादी नियमों के तहत देशों को विश्व स्तर पर निवेशकों द्वारा पसंद किया जाता है।

(c) G7 देश पूंजी के प्रवाह को प्रतिबंधित कर रहे हैं और श्रम, पर्यावरण और कराधान में बेहतर वैश्विक मानकों पर जोर दे रहे हैं।

(d) वैश्वीकरण के कारण विकासशील देशों में श्रम मानक कमजोर हुए हैं और मजदूरी में कमी आई है।

उत्तर -(a)

स्पष्टीकरण- विकल्प (a) सही है क्योंकि वैश्वीकरण के कारण, निवेश उन स्थानों पर चला गया जहां पर्यावरण नियम ढीले हैं, मजदूरी कम है और श्रम मानक कमजोर हैं। इसलिए, यह परिच्छेद के सार को उपयुक्त रूप से दर्शाता है। विकल्प (b) सही नहीं है क्योंकि यह कोई सार नहीं है। विकल्प (c) गलत है क्योंकि इसमें G7 देशों द्वारा उठाए गए कदमों पर कोई चर्चा नहीं है। विकल्प (d) भी गलत है क्योंकि परिच्छेद में उल्लेख किया गया है कि, वैश्वीकरण के नेतृत्व वाले निवेश प्रवाह को पहले से ही ढीले श्रम कानूनों से लाभ हुआ है। अतः यह विकल्प गलत है।